दो युवक चिट्टे सहित गिरफ्तार

चंबा, 11 फरवरी (निस) हिमाचल के चंबा जिले के भरमौर उपमंडल में एक युवक की संदिग्ध हालात में हुई मौत ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। सचुई पंचायत के बाड़ी गांव में सोमवार को रोहित कुमार नामक युवक को सिविल अस्पताल भरमौर मृत अवस्था में लाया गया। पंजाब से आए दो युवकों को चिट्टे (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया

दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी   www.Bharatdeshhamara.com   DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA

एयरपोर्ट से हेरोइन बरामद

अहमदाबाद 11 फरवरी (निस) शहर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय (एसवीपीआई) एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 6.8 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की है। यह बरामदगी मलेशिया से अहमदाबाद पहुंचे एक यात्री के पास से की गई।

रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 42 अंक 42 पटियाला वीरवार 12 फरवरी 2026 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

संसद में जमकर हंगामा, अविश्वास प्रस्ताव में कई खामियां-सत्तापक्ष

ट्रेड डील को लेकर राहुल ने सरकार पर सवाल दागे रिजिजू ने कहा-कांग्रेस ने सपीकर से दुर्व्यवहार किया

नई दिल्ली, 11 फरवरी (निस)

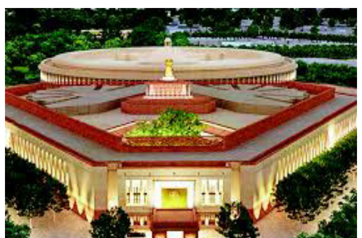

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने कहा है कि देश को बेचकर इन्हें शर्म नहीं आती है। उन्होंने कहा कि भारत के फैसले अमेरिका कैसे ले रहा है। राहुल ने कहा कि अब अमेरिका तय करेगा कि हम किससे तेल खरीदेंगे। अमेरिका हमारे पास आएगा और कहेगा, आप फलां-फलां से तेल खरीदिए। क्या हमारे फैसले अब अमेरिका लेगा। हमारा फैसला प्रधानमंत्री नहीं करेंगे। लोकसभा में बेहद गरमागरम बहस के बीच राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने अमेरिका को ये सब कैसे करने दिया। राहुल गांधी ने कहा कि आप खुद कहते हैं कि एनर्जी और फाइनेंस वेपनाइज़ेशन है और आपने अमेरिकियों को हमारे फाइनेंस और हमारी एनर्जी को हमारे खिलाफ हथियार बनाने की इजाजत दी है। इसका क्या मतलब है जब अमेरिका कहता है कि आप इसे नहीं खरीद सकते। किसी खास देश से तेल नहीं खरीद सकते तो इसका मतलब है कि हमारी एनर्जी वेपनाइज़्ड है। राहुल ने कहा कि जब वे कहते हैं, आपके टैरिफ कम हो जाएंगे। हमारे टैरिफ कम हो जाएंगे और आपके बढ़ जाएंगे। इसका मतलब है कि फाइनेंस, ट्रेड वेपनाइज़्ड है। तो आप हमें बता रहे हैं कि दुनिया एक ऐसी जगह है जहां जियोपॉलिटिकल कॉन्फ्लिक्ट बढ़ रहा है। आप हमसे कह रहे हैं कि एनर्जी और फाइनेंस को हथियार बनाया जाएगा और फिर आप अपने साथ ऐसा करवा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि आपने इंडिया को बेच दिया है। क्या आपको इंडिया बेचने में शर्म नहीं आती? आपने हमारी भारत मां को बेच दिया है। आपको कोई शर्म नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर इंडिया अलायंस ट्रंप से डील करता तो हम भारत के हितों का पक्का ख्याल रखते। राहुल ने कहा कि अगर हम ट्रंप से बात करते तो हम कहते कि राष्ट्रपति ट्रंप अगर आप अपना डॉलर बनाना चाहते हैं तो ये अच्छी बात है, हम आपके दोस्त हैं, हम आपको आपके डॉलर बचाने में मदद करना चाहते हैं, लेकिन याद रखिए, अगर आप अपना डॉलर बचाना चाहते हैं तो सबसे बड़ी दौलत जो डॉलर को बचा सकती है वो है भारतीय लोगों के साथ रहना।दूसरी बात हम ट्रंप को यह कहते कि देखिए मिस्टर प्रेसिडेंट यदि आप भारतीयों के डाटा तक पहुंच चाहते हैं तो पहली बात यह है कि **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

बजट का फोकस बुनियादी ढांचे के विकास पर, राज्यों को फंड वितरित-सीतारमण

संसद में आम बजट पर हुई चर्चा का जवाब दिया वित्तमंत्री ने, विकसित भारत सरकार का लक्ष्य

नई दिल्ली, 11 फरवरी (निस) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में आम बजट पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार का प्रमुख फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर है, ताकि देश में लॉजिस्टिक्स को मजबूत किया जा सके और सामान के आवागमन को आसान बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि जलमार्गों और अन्य परिवहन साधनों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को मजबूती देने के साथ-साथ पुराने व्यवसायों को भी प्रोत्साहन देने पर जोर दिया गया है। छोटे उद्योगों के लिए ऋण की उपलब्धता बढ़ाई गई है ताकि व्यापार में पूंजी की कमी न रहे। मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बजट में विशेष घोषणाएं की गई हैं। आयुष चिकित्सा को प्रोत्साहन देने और पांच क्षेत्रीय मेडिकल हब स्थापित करने की योजना है, जिससे लगभग एक लाख रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। साथ ही 1.5 लाख केयरगिवर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्यों को वित्तीय सहयोग के मुद्दे पर सीतारमण ने स्पष्ट किया कि 17.1 लाख करोड़ रुपये राज्यों को हस्तांतरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह आरोप गलत है कि केंद्र राज्यों को पर्याप्त धन नहीं दे रहा। वित्त आयोग ने भी केंद्र से राज्यों को संसाधन हस्तांतरण की प्रक्रिया को उचित ठहराया है। सेस और सरचार्ज को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि संविधान केंद्र को यह अधिकार देता है और इन संसाधनों का उपयोग भी राज्यों के विकास कार्यों, जैसे अस्पताल और स्कूल में ही होता है।कृषि क्षेत्र पर उठे सवालों के जवाब में वित्त मंत्री ने कहा कि किसानों की बेहतरी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग किया जा रहा है। बीज परीक्षण सुविधाओं और किसान प्रशिक्षण पर जोर दिया गया है। उर्वरक और यूरिया के लिए पर्याप्त बजट प्रावधान किए गए हैं ताकि किसानों को किसी प्रकार की कमी न हो। हालांकि विपक्ष ने इस दावे पर आपत्ति जताई। महाराष्ट्र बुलेट ट्रेन परियोजना में देरी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पिछली राज्य सरकार द्वारा भूमि कीमतें बढ़ाए जाने के कारण अड़चनें आईं।

बंगाल में दुर्गापुर-आसनसोल ईस्टर्न कॉरिडोर और सिलीगुड़ी तक हाई-स्पीड कॉरिडोर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जूट और लेदर निर्यात से भी राज्य को लाभ होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सरकार बजट सुधारों के रास्ते पर आगे बढ़ रही है।

फाजिल्का में 17 वर्षीय युवती की निर्मम हत्या

फाजिल्का 11 फरवरी (निस) फाजिल्का जिले के अबोहर में मलोट रोड पर स्थित एक होटल में 17 साल की लड़की की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया। पुलिस के अनुसार, लड़की का शव होटल के कमरे में अर्धनग्न अवस्था में और आंखों पर पट्टी बंधी हुई मिली। उसकी गर्दन तेजधार हथियार से काटी गई थी।होटलकर्मियों ने बताया कि मृतक लड़की आरती अपने प्रेमी सचिन के साथ होटल में आई थी। युवक करीब आधे घंटे बाद खाना ऑर्डर करने का बहाना बनाकर होटल से निकला। घटना की सूचना मिलते ही सिटी थाना-1 की पुलिस मौके पर पहुंची और होटल को सील कर सभी रिकॉर्ड, रजिस्टर व अन्य सबूत कब्जे में ले लिए। पुलिस ने सचिन निवासी रामकोट के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पोस्टमार्टम प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। आरती मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले की रहने वाली थी। उनके पिता कई वर्षों से अबोहर में गौशाला में काम करते हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि आरोपी सचिन पहले भी आरती को परेशान करता था। एसएचओ ने बताया कि आरोपी युवक 22 वर्षीय है और कुई खेड़ा गांव का रहने वाला है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और सभी संबंधितों से पूछताछ जारी है।

'एप्स्टीन से हुई थी मेरी मुलाकात', राहुल गांधी के आरोपों पर हरदीप पुरी ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली 11 फरवरी (निस) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ सरकार विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव ला सकती है। सत्ता पक्ष ने लोकसभा में दिए गए राहुल गांधी के भाषण के कुछ हिस्सों पर कड़ी आपत्ति जताई है। उनके बयान के बाद सदन में राजनीतिक माहौल गरमा गया। राहुल गांधी ने अपने भाषण में एप्स्टीन फाइल्स का जिक्र किया। हालांकि, जब आसन पर बैठे जगदंबिका पाल ने उन्हें टोका, तो राहुल गांधी ने कहा कि वह एप्स्टीन का नाम नहीं लेंगे।

अडानी पर आरोप - इसके बाद राहुल गांधी ने उद्योगपति गौतम अडानी का नाम लेते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार के बजट में अडानी का प्रभाव दिखाई देता है। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि अमेरिका में अडानी के खिलाफ जो मुकदमा दायर हुआ है, वह दरअसल भारत के प्रधानमंत्री को निशाना बनाने के लिए है।उनके मुताबिक, अमेरिका ने बीजेपी के वित्तीय नेटवर्क को निशाना बनाकर यह कार्रवाई की है। उन्होंने उद्योगपति अनिल अंबानी का भी जिक्र किया और कहा कि उन्हें अब तक जेल नहीं भेजा गया क्योंकि उनका नाम कथित तौर पर एप्स्टीन फाइल में है।

हरदीप सिंह पुरी का भी लिया नाम - राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम लेते हुए सवाल किया कि उन्हें एप्स्टीन से किसने मिलवाया। इस बयान पर भी सत्ता पक्ष ने आपत्ति जताई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस जारी किया गया है।सरकार का कहना है कि राहुल गांधी को सदन में बुलाकर उनसे अपने आरोपों के सबूत पेश करने को कहा जा सकता है। बीजेपी ने राहुल गांधी के बयान को संसदीय मर्यादा के खिलाफ बताया है। पार्टी प्रवक्ता डॉ. सुधांशु ने कहा कि संसद लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है और ऐसे आरोप संसदीय परंपराओं को चोटपहुंचाते हैं।

हरदीप सिंह पुरी ने दिया जवाब - केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताया।

चुनाव से पूर्व बंगलादेश में हिंदू कारोबारी की दुकान में घुसकर हत्या, नकदी भी लूट ली

ढाका 11 फरवरी (निस) बांग्लादेश के मैमनसिंह जिले में सोमवार रात एक हिंदू कारोबारी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। वारदात करीब 11 बजे हुई।मृतक की पहचान 62 वर्षीय सुसैन चंद्र सरकार के रूप में हुई है। वह चावल का कारोबार करते थे। स्थानीय थाना प्रभारी मोहम्मद फिरोज हुसैन के मुताबिक, अज्ञात हमलावरों ने दुकान के अंदर सुसैन सरकार पर धारदार हथियार से हमला किया। उन्हें सिर पर गंभीर चोटें आईं। हमलावर हत्या के बाद शव को दुकान के अंदर ही छोड़ गए और शटर बंद कर मौके से फरार हो गए।पुलिस के अनुसार, देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन उन्हें तलाशते हुए दुकान पहुंचे। शटर खोलने पर सुसैन सरकार खून से लथपथ हालत में पड़े मिले। उन्हें तुरंत मयमनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे सुजन सरकार ने बताया कि उनका परिवार दशकों से चावल का कारोबार कर रहा था और किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उन्होंने कहा कि मेरे पिता की बेरहमी से हत्या की गई। हमलावर दुकान से कई सौ हजार टका भी लूट ले गए। दोषियों की जल्द पहचान कर कड़ी सजा देने की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मयमनसिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर पीएम सहित दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली 11 फरवरी (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य और प्रखर राष्ट्रवादी विचारक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री ने देश के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि मूल्यों पर आधारित पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांत और विचार देश की हर पीढ़ी के लिए हमेशा पथ-प्रदर्शक की भूमिका निभाते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने संदेश में उन्हें मातृभूमि का अनन्य उपासक बताया और राष्ट्र निर्माण में उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग की सराहना की। मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सर्वस्व समर्पण के भाव को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्र और मानवता को सर्वोपरि मानने वाली चेतना ही उनके जीवन का मूल आधार थी। अंत्योदय के प्रणेता ने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिए संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया।

केन्द्र सरकार सेना प्रमुख की किताब से घबरा गयी, हकीकत छिपा रही-प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, 11 फरवरी (निस) शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे की किताब को लेकर उठे विवाद पर मोदी सरकार की प्रतिक्रिया को आलोचनात्मक बताया। उन्होंने कहा कि पहले बयान जारी हुआ और फिर बताया गया कि किताब प्रकाशित नहीं हुई, जबकि यह पहले ही बाजार में उपलब्ध हो चुकी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह आधिकारिक बयान नहीं था, तब किताब कैसे पहुंची और राहुल गांधी के पास कैसे गई। शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका ने कहा कि उस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, कोई मौत नहीं हुई और कोई कब्जा नहीं हुआ, इसलिए पूरी कहानी बताने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका ने मोदी सरकार पर निशाना साधकर कहा कि ऐसा व्यवहार किया जा रहा है जैसे किसी दुश्मन देश के आर्मी चीफ की किताब आई हो। उन्होंने इस बात को शर्मनाक बताकर कहा कि केंद्र सरकार डरी और तिलमिलाई हुई है और जनता के सामने जवाबदेही से भाग रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वरिष्ठ सेना अधिकारियों को यह संदेश दिया जा रहा है कि अगर वे सेवा के दौरान किताब लिखेंगे तो उन्हें कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

भाजपा पंजाब में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही-अश्विनी शर्मा

चंडीगढ़ 11 फरवरी (निस) पंजाब की राजनीति में नई चर्चा उस समय शुरू हो गई, जब पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने स्पष्ट किया कि पार्टी राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठनात्मक स्तर पर पूरी तरह सक्रिय है और हर हलके में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। हालांकि जब उनसे अकेले चुनाव लड़ने के बारे में सवाल पूछा गया तो वे सीधा जवाब देने से बचते नजर आए। इससे राजनीतिक गलियारों में गठबंधन को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। अश्वनी शर्मा ने जोर देकर कहा कि भाजपा पंजाब के हर हलके में मजबूती से अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।कार्यकारी अध्यक्ष ने यह भी कहा कि पार्टी केवल चुनावी मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर भी लगातार काम कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट का एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने पर जोर, केन्द्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली 11 फरवरी (निस) देश की सर्वोच्च अदालत ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर बड़ा कदम उठा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की मोदी सरकार से रिपोर्ट मांगी है कि उस संविधान बेंच के फैसले के बाद क्या कार्रवाई हुई है, जिसमें एससी और एसटी के आरक्षण को कोटा के भीतर कोटा बनाने की मंजूरी दी गई थी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने पर भी जोर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने उन याचिकाओं पर सुनवाई कर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के आरक्षण से क्रीमीलेयर को बाहर करने के लिए मानदंड निर्धारित करने की मांग हुई है। बता दें कि ओपी शुक्ला और समता आंदोलन समिति के द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके एससी-एसटी आरक्षण से क्रीमीलेयर करने की मांग गई है, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में सात जजों के द्वारा दिए गए फैसले पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने एक अगस्त 2024 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण को लेकर बड़ा फैसला दिया था। डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने एससी-एसटी आरक्षण को श्रेणी में बांटने का अधिकार राज्य सरकार दिया था। एससी और एसटी के लोगों के बीच समान प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों को एससी-एसटी के आरक्षण को वर्गीकरण करने यानि कोटा के भीतर कोटा बनाने की मंजूरी दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सब कैटेगिरी का आधार उचित होना चाहिए।इसके साथ ही संवैधानिक पीठ ने एससी-एसटी आरक्षण में भीक्रीमीलेयर को लागू करने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लागू करने की मांग को लेकर शुक्ला और समता आंदोलन समिति ने सर्वोच्च अदालत में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट टिप्पणी को आधार बनाकर केंद्र और राज्यों को दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है।याचिका में कहा गया है, केंद्र और राज्य उन मानदंडों को तय करें जिनके आधार पर एससी-एसटी वर्ग के संपन्न लोगों को आरक्षण से बाहर रख सके, ताकि वास्तव में वंचित समूहों को इसका लाभ मिले। याचिकाओं में निश्चित समय सीमा तय करने की भी मांग की गई है ताकि अधिक पिछड़े उप-समूहों को जल्द से जल्द प्राथमिकता मिल सके।

पंचकूला में दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में दी श्रद्धांजलि...

हरियाणा सरकार दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय दर्शन के तहत हर गरीब व्यक्ति तक पहुंचा रही विकास-सैनी

चंडीगढ़, 11 फरवरी(अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति तक विकास का लाभ पंहुचा रही है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि विकास की रोशनी अंतिम छोर तक पंहुचे और कोई भी नागरिक पीछे ना छूटे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी आज पंचकूला स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित 'समर्पण दिवस' कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर आज पूरा देश समर्पण दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन यह याद दिलाता है कि राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऐसे राजनेता थे, जिन्हें सत्ता में कोई आकर्षण नहीं था। फिर भी वे अपने अनुयायियों के दिलों पर राज करते थे। वे ईमानदारी की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने दलगत राजनीति से परे राष्ट्र-सेवा को सर्वोपरि माना। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारतीय जीवन-दर्शन, भारतीय रीति-नीति और महान संस्कृति, महान परंपराओं और सामाजिक ताने-बाने के अनुरूप 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' जैसे कालजयी सिद्धांतों का प्रतिपादन किया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति का मूल्यांकन शिखर पर खड़े व्यक्ति से नहीं, बल्कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की स्थिति से होना चाहिए। गांव, गरीब, किसान, वंचित, पीड़ित, शोषित और आदिवासी, यही उनके चिंतन के केंद्र में थे। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति सशक्त नहीं होगा, तब तक राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता।श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अंत्योदय के सिद्धांत के अनुरूप 'सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूल मंत्र दिया है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया है। गरीबों को आवास, शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, बिजली और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के अभियान हों या देश की 80 करोड़ जनता को मुफ्त राशन देने की योजना, ये सभी प्रयास पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को व्यवहार में उतारने के उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भी 'अंत्योदय दर्शन' पर चलते हुए गरीब से गरीब व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए भोजन, कपड़ा, आवास, शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए गरीब कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए है। प्रदेश में 41 लाख गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। हर घर-हर गृहिणी **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सम्पादकीय

लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव क्यों!

विपक्ष के 128 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंप दिया है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि उन्होंने नियम 94सी के तहत लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने की इजाजत नहीं देने, साथ ही कांग्रेस की महिला सांसदों पर सदन में अनुचित स्थिति पैदा करने के आरोपों पर विपक्ष अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए यह प्रस्ताव लाया है।लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश और सांसद मोहम्मद जावेद तथा अन्य कई सांसद नोटिस सौंपने वालो में शामिल है।लोकसभा की प्रक्रिया और आचरण के मानदंडों के नियम 198 के अनुसार, विपक्ष को लोकसभा में मतदान से पहले अविश्वास प्रस्ताव के अपने अनुरोध के लिए औचित्य प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है।अविश्वास प्रस्ताव की पूरी प्रक्रिया लोकसभा की प्रक्रिया व कार्य संचालन प्रणाली के नियम 198 (1) से नियम 198 (5) तक के तहत पूरी की जाती है।इस प्रक्रिया के तहत नियम 198 (1) (क) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पेश करने वाले सांसद को पहले स्पीकर के जरिये सदन की अनुमति लेनी पड़ती है।सदन की अनुमति के लिए नियम 198 (1) (ख) के मुताबिक, प्रस्ताव की जानकारी सुबह 10 बजे से पहले लोकसभा के महासचिव को देनी पड़ती है।नियम 198 (2) के तहत प्रस्ताव के साथ सांसद को 50 सांसदों के समर्थन वाले हस्ताक्षर दिखाने होते हैं।नियम 198 (3) के तहत लोकसभा अध्यक्ष से प्रस्ताव को अनुमति मिलने के बाद उस पर चर्चा का दिन तय होता है। चर्चा प्रस्ताव पेश होने के 10 दिन के अंदर करानी होती है।नियम 198 (4) के तहत अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के अंतिम दिन लोकसभाध्यक्ष वोटिंग कराते हैं और उस आधार पर फैसला होता है।नियम 198(5) के तहत लोकसभा अध्यक्ष को टिप्पणी के लिए समय सीमा निर्धारित करने का अधिकार है। यदि प्रस्ताव सदन द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है ।अब तक लोक सभा में 27 बार अविश्वास प्रस्ताव रखे जा चुके हैं।लोक सभा में सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव अगस्त 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के खिलाफ जे बी कृपलानी ने पेश किया था। लेकिन विपक्ष सरकार गिराने में नाकाम हो गया था, क्योंकि इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट पड़े और विरोध में 347 वोट पड़े थे।लेकिन सन 1978 में लाये गए अविश्वास प्रस्ताव ने मोरारजी देसाई सरकार को गिरा दिया था।अब तक सबसे ज्यादा 4 बार अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का रिकॉर्ड माकपा सांसद ज्योतिर्मय बसु के नाम है। उन्होंने अपने चारों प्रस्ताव इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ रखे थे।सबसे ज्यादा अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाली भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार रही है। इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ 15 अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गये थे।इसके अलावा पी? वी? नरसिम्हा राव और लाल बहादुर शास्त्री की सरकारों ने तीन-तीन बार अविश्वास प्रस्ताव का सामना किया था।पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार इंदिरा गाँधी सरकार और दूसरी बार पी? वी? नरसिम्हा राव सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था ।संयोग की बात है कि अटल सरकार के खिलाफ भी दो बार सन1996 व सन1998 अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था और वे दोनों बार हार गये थे। सन 2018 में नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था,लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था। लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप हैं कि वो विपक्ष के साथ भेदभाव करते हैं और सांसदों को बोलने का मौका कम देते हैं।हालांकि ये पहली बार नहीं है, जब किसी लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा हो। संसद के इतिहास में कई बार ऐसा हो चुका है। अविश्वास प्रस्ताव भारतीय संसदीय परंपरा का ही एक हिस्सा है। जब भी विपक्ष को सरकार या फिर लोकसभाध्यक्ष पर भरोसा नहीं होता है तो उन्हें हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत लाया जाता है, इसे मोशन ऑफ रिमूवल कहा जाता है।इसके तहत लोकसभा के अध्यक्ष को हटाया जा सकता है। वोटिंग में बहुमत मिलने पर अध्यक्ष को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार सन1954 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लोकसभा के पहले अध्यक्ष मावलंकर के खिलाफ ये प्रस्ताव लाया गया था। सोशलिस्ट पार्टी के नेता विग्नेश्वर मिसिर ये प्रस्ताव लाए थे।इस प्रस्ताव पर करीब दो घंटे तक चर्चा हुई थी, हालांकि बाद में उसे खारिज कर दिया गया। इस प्रस्ताव को जवाहर लाल नेहरू ने सदन की गरिमा का सवाल बताया था। सन1954 के बाद लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ दूसरा प्रस्ताव सन 1966 में लाया गया।लोकसभा अध्यक्ष सरदार हुकम सिंह के खिलाफ ये प्रस्ताव था।वहीं तीसरी बार सन1987 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, ये प्रस्ताव तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के खिलाफ लाया गया था।पिछले तमाम प्रस्तावों की तरह ये अविश्वास प्रस्ताव भी खारिज हो गया था।अब देखना यह है कि यह अविश्वास प्रस्ताव कितना चल पाता है।इससे लोकसभाध्यक्ष की कुर्सी जाती है या फिर यह प्रस्ताव धड़ाम गिरता है।फिलहाल तो संख्या बल देखते हुए ऐसा नही लगता कि ओम बिरला की कुर्सी जाएगी,बाकी आने वाला वक्त बताएगा।

पंडित दीनदयाल के एकात्म मानव दर्शन को साकार कर रही मोदी सरकार

- सुरेन्द्र शर्मा

भारत को अगर विश्व गुरु बनाना है तो उसका आधार केवल भारत का ही चिंतन हो सकता है , पश्चिम के आधार पर चलकर हम केवल पश्चिमी देशों के पिछलग्गू तो बन सकते हैं हम दुनिया का नेतृत्व नहीं कर सकते,भारत को अपने स्व को पहचानकर आगे बढ़ना होगा।

यह चिंतन आधुनिक भारत के समस्त मनीषियों का रहा है इस चिंतन को एकात्म मानव दर्शन के रूप में प्रतिपादित करने वाले थे भारतीय जनसंघ के तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय।पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिन्होंने भारत के स्व को पहचानकर भारतीयता के आधार पर भारत के स्वर्णिम भविष्य का स्वप्न देखा जिन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की भी चिंता की और कहा बिना समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उद्धार हुए राष्ट्र का अपने बल पर खड़ा होना मुश्किल है अंत्योदय से ही राष्ट्रोदय संभव है का मंत्र देने वाले आज की भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणापुंज और जनसंघ के आधार स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को नियति ने 11 फ़रवरी 1968 को देश से छीन लिया पर उनके बताए मार्ग पर चलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की केन्द्र सरकार एवं देश के 19 राज्यों की भाजपा एवं भाजपा गंठबंधन की सरकारें दीनदयाल जी के स्वप्न को साकार कर रही हैं।। एकात्म मानव दर्शन का मूल उद्देश्य मनुष्य को केवल आर्थिक प्राणी न मानकर उसे शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप मानना है। यह दर्शन भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्यों पर आधारित है। वर्तमान समय में यदि भारत की राजनीति में इस दर्शन की व्यावहारिक अभिव्यक्ति देखी जाए, तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इसके तत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

एकात्म मानव दर्शन का आधार यह है कि समाज, राष्ट्र और व्यक्ति एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि एक अखंड इकाई के रूप में जुड़े हुए हैं। यह दर्शन पश्चिमी विचारधाराओ पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों से भिन्न है। जहाँ पूंजीवाद व्यक्ति को केंद्र में रखता है और साम्यवाद राज्य को, वहीं एकात्म मानव दर्शन समाज और संस्कृति को केंद्र में रखता है।

इस दर्शन के अनुसार विकास केवल भौतिक नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक भी होना चाहिए। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुँचाना ही इसका उद्देश्य है, जिसे अंत्योदय कहा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने शासन को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का साधन माना है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का नारा एकात्म मानव दर्शन की भावना को ही प्रतिबिंबित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार की योजनाएँ एकात्म मानव दर्शन की अंत्योदय अवधारणा को साकार करती हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा। प्रधानमंत्री जनधन योजना में अब तक कुल लाभार्थी संख्या लगभग 57.11 करोड़ लोगों तक पहुंच चुकी है।जिनमें देश भर के नागरिक शामिल हैं और ये संख्या लगातार बढ़ रही है इन खातेधारकों में ग्रामीण और शहरी दोनों शामिल हैं, तथा इन खातों के माध्यम से लाभार्थियों को बैंकिंग, डेबिट कार्ड, बीमा, पेंशन तथा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (ष्ठक्चञ्ज) जैसे कई लाभ दिए जाते हैं। इन खातों के खुलने के बाद सरकार की योजनाओं से मिलने मिलने वाली राशि सीधे हितग्राहियों को प्राप्त हो रही है और बिचौलियों से जनता को राहत मिली है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति और सम्मानजनक जीवन मिला। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से लगभग 10.33 करोड़ परिवार देश भर में उज्ज्वला योजना का लाभ उठा रहे हैं।प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से लाभ पाने वाले परिवारों में पहली एलपीजी कनेक्शन के साथ गैस चूल्हा भी प्रदान किया जाता है, जिससे घरेलू स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की

आयुष्मान भारत योजना भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा योजना है, जिसका मुख?य उद्देश्य गरीब और वंचित परिवारों को कैशलेस और मानक उपचार प्रदान करना है।

अब तक लगभग 40.45 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जो लगभग 14.69 करोड़ परिवारों को कवर करते हैं। देश भर के गरीब परिवारों तक स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा पहुँच चुकी है, जिससे वे 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज कैशलेस तौर पर अस्पतालों में प्राप्त कर सकते हैं। पूरे देश में 30,000 से अधिक अस्पताल (सरकारी + निजी) योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं, ताकि लाभार्थी आसानी से इलाज करवा सकें।ये योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता का भाव भी उत्पन्न करती हैं, जो एकात्म मानव दर्शन का मूल तत्व है।

आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी चिंतन।-एकात्म मानव दर्शन स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देता है। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत आत्मनिर्भर भारत अभियान इसी सोच का आधुनिक रूप है। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक,तकनीकी और औद्योगिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान—वोकल फॉर लोकल—भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सांस्कृतिक स्वाभिमान को भी सुदृढ़ करता है आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसकी शुरुआत मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि देश अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर न रहे और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभा सके।

आत्मनिर्भर भारत का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमता को मजबूत करते हुए दुनिया से जुड़ा हुआ भारत बनाना है। इसका नारा है—

लोकल को ग्लोबल बनाना और वोकल फॉर लोकल।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अभियान को पाँच आधार स्तंभों पर रखा-अर्थव्यवस्था (श्वष्वठ्ठश्वद्ब4) - आधुनिक, मजबूत और नवाचार-आधारित , अवसंरचना - विकास की पहचान ,प्रणाली - तकनीक आधारित, पारदर्शी व्यवस्था, जनसांख्यिकी - युवा और कुशल मानव संसाधन, मांग घरेलू मांग को सशक्त करना। इसके लिए प्रमुख क्षेत्र सेक्टर को सशक्त करने के लिए ऋण सुविधा, गारंटी योजना और सुधार,मेक इन इंडिया और योजनाओं के जरिए विनिर्माण को बढ़ावा कृषि सुधार और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास,डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और नवाचार को प्रोत्साहन,रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता और आयात पर निर्भरता में कमी,स्वदेशी उत्पादों और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा दिया।

आतंक की आग में झुलसता पाकिस्तान और इंसानियत पर उठते सवाल

- कांतिलाल मांडोत

इस्लामाबाद की शिया मस्जिद में जुमे की नमाज के दौरान हुआ आत्मघाती हमला केवल एक सुरक्षा चूक या एक और आतंकी घटना नहीं है, बल्कि वह आईना है जिसमें पाकिस्तान के भीतर गहराते सामाजिक, वैचारिक और राजनीतिक संकट साफ दिखाई देते हैं। नमाज जैसी पवित्र इबादत के वक्त निर्दोष लोगों की जान जाना किसी भी सभ्य समाज के लिए आत्ममंथन का क्षण होना चाहिए। यहां सवाल किसी एक मजहब, किसी एक समुदाय या किसी एक देश का नहीं है, सवाल इंसान की जान, उसकी सुरक्षा और उस व्यवस्था का है जो बार-बार उसे बचाने में विफल होती दिख रही है। पाकिस्तान लंबे समय से आतंकवाद और सांप्रदायिक हिंसा की आग में झुलस रहा है। शिया समुदाय पर हमले कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन राजधानी इस्लामाबाद जैसे अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले शहर में इतना बड़ा धमाका यह बताता है कि उग्रवाद अब देश के हर कोने में अपनी पकड़ बना चुका है। यह भी विडंबना ही है कि जिन लोगों का राजनीति, कश्मीर,

भारत-पाक संबंध या किसी भी भू-राजनीतिक खेल से कोई लेना-देना नहीं, वही लोग बार-बार इस हिंसा का सबसे आसान शिकार बनते हैं। मस्जिद में नमाज पढ़ने आए लोग किसी एजेंडे का हिस्सा नहीं थे, वे सिर्फ अपने ईश्वर के सामने सिर झुकाने आए थे। आतंकवाद की सबसे भयावह सच्चाई यही है कि वह किसी तर्क, किसी सीमा या किसी नैतिकता को नहीं मानता। पाकिस्तान ने दशकों तक जिस कट्टरपंथ को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया, वही आज उसके समाज के भीतर जहर की तरह फैल चुका है। कभी यह जहर पड़ोसी देशों की ओर मोड़ा गया, कभी आंतरिक राजनीति के लिए इस्तेमाल हुआ, और आज वही जहर आम पाकिस्तानी नागरिकों की नसों में उतर रहा है। जो जैसा करेगा, उसे वैसा ही भरना पड़ेगा जैसी कहावत यहां किसी बदले की भावना से नहीं, बल्कि कर्म और परिणाम की कठोर सच्चाई के रूप में सामने आती है। यह कहना जरूरी है कि आतंकवाद का कोई मजहब नहीं होता, लेकिन आतंकवादियों के निशाने पर अक्सर वही होते हैं जो सबसे कमजोर, सबसे असुरक्षित और सबसे निरीह होते हैं। पाकिस्तान में शिया समुदाय लंबे समय से इसी स्थिति में है। बीते दो दशकों में हजारों शियाओं की हत्या यह बताती है कि यह केवल सुरक्षा की समस्या नहीं, बल्कि समाज में गहरे बैठे नफरत के बीजों का नतीजा है। जब राज्य किसी खास विचारधारा के साथ समझौता करता है, जब हिंसक समूहों को अच्छे और बुरे आतंकवादी के खांचे में बांटा जाता है, तब अंततः वही हिंसा बेकाबू होकर पूरे समाज को निगलने लगती है। इस हमले का एक और पहलू पाकिस्तान की कमजोर होती अर्थव्यवस्था से भी जुड़ता है। जब देश कर्ज के बोझ तले दबा हो, जब बेरोजगारी बढ़ रही हो, जब युवाओं के पास भविष्य की कोई ठोस उम्मीद न हो, तब कट्टरपंथी विचारधाराएं आसानी से जमीन बना लेती हैं। आर्थिक अस्थिरता और वैचारिक उग्रता एक-दूसरे को पोषित करती हैं। पाकिस्तान में बढ़ता कर्ज-जीडीपी अनुपात, बजट घाटा और आम आदमी पर बढ़ता आर्थिक दबाव केवल आंकड़े नहीं हैं, ये उस असंतोष की कहानी कहते हैं जो अंततः हिंसा का रूप ले लेता है।

भारत के संदर्भ में अक्सर पाकिस्तान के भीतर यह नैरेटिव गढ़ा गया कि सारी समस्याओं की जड़ बाहर है। कश्मीर, सीमा विवाद और भारत-विरोधी बयानबाजी ने वर्षों तक आंतरिक सवालों से ध्यान हटाने का काम किया। लेकिन आज जब मस्जिदों, इमामबाड़ों और बाजारों में पाकिस्तान के अपने लोग मारे जा रहे हैं, तब यह बहाना भी कमजोर पड़ता दिख रहा है। कश्मीर में मारे गए निर्दोष लोगों का दर्द किसी भी तरह से कम नहीं था, और आज पाकिस्तान के निर्दोष लोगों का दर्द भी उतना ही वास्तविक और उतना ही पीड़ादायक है। इंसानी जान की कीमत सरहद नहीं देखती।

यह भी सच है कि आम पाकिस्तानी नागरिक इन नीतियों का निर्माता नहीं रहा। वह भी उसी तरह इस हिंसा का शिकार है, जैसे कोई और। इसलिए किसी भी तरह की सामूहिक दोषारोपण की मानसिकता से बचना जरूरी है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई सरकारों से ज्यादा समाज की लड़ाई होती है। जब तक नफरत फैलाने वाली सोच को सामाजिक स्तर पर चुनौती नहीं दी जाती, जब तक शिक्षा, संवाद और सहिष्णुता को बढ़ावा नहीं दिया जाता, तब तक बंदूक और बम की आवाजें खामोश नहीं होंगी। इस्लामाबाद हमले ने एक बार फिर यह साबित किया है कि सुरक्षा केवल बंदूकधारी जवानों से नहीं आती, बल्कि न्यायपूर्ण नीतियों, समावेशी राजनीति और ईमानदार आत्मालोचना से आती है। किसी भी देश के लिए यह स्वीकार करना कठिन होता है कि उसकी अपनी गलतियों ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है, लेकिन बिना इस स्वीकारोक्ति के बदलाव संभव नहीं। आतंकवाद के खिलाफ आधे-अधूरे कदम, दोहरे मापदंड और तात्कालिक राजनीतिक फायदे

अमेरिका की 74 फीसदी आबादी पर रोजी रोटी का संकट क्यों

- सनत जैन

पूंजीवादी देश अमेरिका जो दुनिया के देशों को समृद्धि और लोकतंत्र का पाठ पढ़ाता है वह अपने ही नागरिकों को दो टाइम का भोजन नहीं दे पा रहा है। अमेरिका का मध्यम वर्ग गरीब हो रहा है। सारी दुनिया में अमेरिका की जो तस्वीर दिखाई जाती है, ठीक उसके विपरीत हालिया सर्वे मे एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने अमेरिका की कलई खोल कर रख दी है। आमतौर पर चमकदार इमारतों, शेयर बाज़ार और वैश्विक ताक़त की आड़ में अमेरिका अपनी वास्तविकता को छिपा देता है। सर्वे के अनुसार अमेरिका की करीब 74 प्रतिशत आबादी रोज़ी-रोटी के गंभीर संकट से जूझ रही है। यह संकट केवल गरीबों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मिडिल क्लास और युवा वर्ग पर इसकी सबसे बड़ी मार पड़ी है। अमेरिका में हालात ये हैं, लोग बिजली, गैस, पानी जैसी बुनियादी जरूरत के मासिक बिल तक अदा नहीं कर पा रहे हैं। किराना, किराया और स्वास्थ्य खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सर्वे के अनुसार 10 में से 9 अमेरिकी मानते हैं, पूरा अमेरिका कॉस्ट ऑफ लिविंग क्राइसिस में फंस गया है। सर्वे में 10 में से 8 लोगों ने माना है, पिछले एक साल में महंगाई तेजी के साथ बढ़ी है। जिसके कारण उनका नियमित जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। पिछले 1 साल में जिस तरह से सरकार की नीतियां हैं, उसने आम आदमी का जीवन दूभर कर दिया है। सबसे चिंताजनक स्थिति

अमेरिका मे युवाओं की है। महंगाई और बेरोजगारी के चलते युवा वर्ग में गुस्सा, असंतोष और निराशा तेज़ी से बढ़ती जा रही है। अमेरिका का मध्यम वर्ग टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती थी उसका उपयोग छुट्टियों, मनोरंजन या ख़रीदारी के लिए करता था। अब टैक्स रिफंड से जो राशि मिलती है, उसका उपयोग पेट भरने और कर्ज़ चुकाने के लिए करना पड़ रहा है। सर्वे के अनुसार 73 प्रतिशत लोगों ने माना है, टैक्स रिफंड अब जीवन यापन के लिए ज़्यादा ज़रूरी हो गया है। 60 प्रतिशत लोगों ने रिफंड जल्दी देने की बात कही है। टैक्स रिफंड में देरी होने से खर्च चलाना मुश्किल हो जाता है। जेन-जी के लिए यह संकट और भी गहरा है। करीब 74 प्रतिशत युवा रिफंड नहीं मिलने पर आपात ज़रूरतें भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

अमेरिका के इस आर्थिक दबाव का सीधा असर सभी वर्गों पर देखने को मिल रहा है। अमेरिका से आंतरिक पलायन शुरू हो गया है। लोग एक शहर से दूसरे शहर, एक राज्य से दूसरे राज्य यहां तक कि यूरोपीय देशों में भाग रहे हैं। जहां वह वर्षों से रह रहे थे, वहां अब उनका गुज़ारा संभव नहीं हो पा रहा। सर्वे बताता है कि जेन-जी के लगभग 50 प्रतिशत युवा तथा कुल आबादी के 38 प्रतिशत अमेरिकी नागरिक आर्थिक कारणों से ठिकाना बदल चुके हैं। यह पलायन की स्थिति उन्हें जड़ों से काटने की प्रक्रिया मानी जा रही है। विडंबना यह है, जिन राज्यों को अफोर्डेबल अमेरिका कहा जाता है, उनमे मिसिसिपी, अलबामा और ओक्लाहोमा के 60 प्रतिशत लोग मानते हैं। वह किसी तरह से अपना खर्च चला पा रहे हैं। अमेरिका के सबसे सस्ते राज्यों की बड़ी आबादी आर्थिक संकट से जूझ रही है। यह स्थिति इस बात का सूचक है कि अमेरिका गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है। पिछले एक साल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जिस तरह के निर्णय लिए जा रहे हैं, उसके बाद अमेरिका में बदहाली बढ़ती जा रही है। इसका असर सामाजिक स्तर पर बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। युवाओं को अपना भविष्य अंधकार में दिख रहा है। इससे उनमें गुस्सा, नशा और सामाजिक तनाव बढ़ रहा है। अमेरिका में युवाओं की बहुत बड़ी संख्या अब अपराध की ओर भी जाती हुई दिख रही है। यह वही अमेरिका है, जहां सड़कों पर समृद्धि दिखती है। पूंजीवादियों के ऐशो आराम और अय्याशी को देखकर लगता है, अमेरिका बहुत धनवान है। अमेरिका में रहने वाले लोग बहुत प्रसन्न हैं, लेकिन अमेरिका की स्थिति ठीक इसके विपरीत है। नागरिकों के मन में असुरक्षा और भय पनप रहा है। अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर आकर खड़ा हो गया है, जहां उसकी चमकदार छवि और ज़मीनी हकीकत के बीच की खाई गहरी होती जा रही है। अमेरिका में 74 प्रतिशत आबादी के सामने रोज़ी-रोटी का संकट होना अमेरिका के लिए गंभीर चेतावनी है। अमेरिका खुद को दुनिया का नेतृत्वकर्ता मानता है, लेकिन अमेरिका लगातार कर्ज के संकट में फंसता चला जा रहा है। सारी दुनिया में दादागिरी करने के चक्कर में लगातार अपने ही बनाए गए मकड जाल में फंसता जा रहा है। जिसके कारण अब अमेरिका को हर तरफ से चुनौती मिल रही है।

यह अमेरिका के उस आर्थिक मॉडल की कहानी है। जो अपने फायदे के लिए किसी भी स्तर तक जाकर अपनी दादागिरी कायम रखना चाहता है। लेकिन अब यही दादागिरी अमेरिका के अस्तित्व के लिए संकट बन गया है। गलत नीतियों के कारण जिस तरह से सोवियत रूस का विघटन हुआ था लगभग वही स्थिति अब अमेरिका की होती हुई दिख रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से गरीबों और मध्यम वर्ग को उनके हाल पर छोड़ दिया है। जिस तरह से अमेरिका में अपराध बढ़ रहे हैं। अमेरिका की सरकार पर बढ़ता कर्ज अब अमेरिका के ऊपर भारी पड़ने लगा है। रही सही कसर डॉलर का जो वैश्विक अस्तित्व था अब उसे चुनौती मिल रही है। जिसके कारण आने वाले समय में अमेरिका विघटन की ओर बढ़ रहा है। अमेरिकी पूंजीवादी व्यवस्था को वैश्विक चुनौती मिलना शुरू हो गई है। विश्व में अमेरिका अलग-थलग पड़ता चला जा रहा है। अमेरिका में जिस तरह की स्थितियां बन गई हैं। उससे पूंजीवाद के खिलाफ आंतरिक विद्रोह की संभावना बढ़ती चली जा रही है। अमेरिका का यह संकट सारी दुनिया के देशों को एक सबक के रूप में देखना होगा। वैश्विक व्यापार संधि लागू होने के बाद जिस तरह से कर्ज की अर्थव्यवस्था के सहारे दुनिया के देशों ने चलना शुरू किया था, अब कर्ज की जगह बचत ही एकमात्र सहारा होगा। यह सबक तो लिया ही जा सकता है।

पराली की गांठों में लगी भीषण आग, ट्राली के टायर जलकर राख, चारों तरफ धुएं का गुबार

समय रहते बाहर निकाला गया ट्रैक्टर, सड़क पर लगा लंबा जाम

निसिंग, 11 फरवरी (जोगिंद्र सिंह) : करनाल-कैथल स्टेट हाइवे पर निसिंग के पास कैथल की तरफ से आ रही पराली की गांठों से भरी ट्रॉली में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और ट्रॉली के टायर जलकर खाक हो गए।

गनीमत रही कि मौके पर मौजूद लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रैक्टर को समय रहते ट्रॉली से अलग कर बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।आग लगने की वजह से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और काफी देर तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और हालात संभालते हुए ट्रैफिक को नियंत्रित किया।

स्टेट हाईवे पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पराली की गांठों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और सड़क पर चारों तरफ धुएं का गुबार छा गया। दूर तक कुछ भी दिखाई नहीं दिया, जिससे वाहन चालकों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि पराली व ट्रॉली धू-धू कर जलने लगी। हाईवे पर लंबा जाम लग गया और कैथल की तरफ से आने वाले कई वाहन बीच रास्ते में ही फंस गए। लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी, लेकिन फायर ब्रिगेड काफी देर से मौके पर पहुंची, जिससे आग और ज्यादा भड़क गई।गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन अगर धुएं में कोई वाहन टकरा जाता तो बड़ा हादसा तय था। प्रशासन की ढिलाई ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यहां इंतजाम बाद में और हादसे पहले होते हैं।

गांव टाटका में वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन

बाबैन, 11 फरवरी (राजेश कुमार) : गांव टाटका में सेंटर फॉर फाइनैंशियल लिटरेसी के माध्यम से वित्तीय साक्षरता शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शिविर के आयोजन में गांव के सरपंच दूनी चंद टाटका का विशेष सहयोग रहा। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वर्ष 2016 से प्रतिवर्ष एक निर्धारित विषय के अंतर्गत वित्तीय साक्षरता सप्ताह मनाया जाता है। इसी क्रम में वर्ष 2026 का वित्तीय साक्षरता सप्ताह 9 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष के अभियान का मुख्य उद्देश्य आम जनता को सुरक्षित, जिम्मेदार एवं जागरूक बैंकिंग व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करना है। शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक के एल.डी.ओ. कंवल किशन, नाबार्ड की डी.डी.एम. रितु वर्मा, एल.डी.एम. मलकीत सिंह, सेंटर फॉर फाइनैंशियल लिटरेसी के स्टाफ सदस्य तथा विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधकों ने विशेष रूप से भाग लिया। सभी वक्ताओं ने उपस्थित ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल लेन-देन में सावधानियां, साइबर धोखाधड़ी से बचाव, बचत की आदत, बीमा योजनाएं, पेंशन योजनाएं तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता, एटीएम कार्ड, ओटीपी या पिन संबंधी जानकारी साझा न करें। साथ ही डिजिटल भुगतान करते समय सतर्क रहने और केवल अधिकृत माध्यमों का उपयोग करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि युवा अपना रोजगार शुरू करने के लिए बैंक में संपर्क करके लोन की सुविधा का लाभ उठाएं। सरपंच दूनी चंद टाटका ने कहा कि ऐसे जागरूकता शिविर गांव के लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं, जिससे वे आधुनिक बैंकिंग प्रणाली को समझ सकें और धोखाधड़ी से बच सकें। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने का आश्वासन दिया। शिविर के अंत में प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दिए गए। उपस्थित अधिकारियों ने सभी ग्रामीणों से सुरक्षित और जिम्मेदार बैंकिंग व्यवहार अपनाने की अपील की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

डीएवी महिला महाविद्यालय में डिजीटल साक्षरता विषय पर शिविर का आयोजन

करनाल, 11 फरवरी (परमजीत कौर) : कुमारी विद्यावती आनंद डीएवी महिला महाविद्यालय में एनएसएस यूनिट एक और दो की ओर से डिजीटल साक्षरता विषय पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। कैंप के पांचवे दिन प्रथम सत्र की शुरूआत प्राचार्या मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में योग ध्यान अभ्यास से की गई। इसका उद्देश्य स्वयंसेवकों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। डा. सरोज चावला सेवानिवृत प्राचार्या गवर्नमेंट महिला महाविद्यालय करनाल द्वारा सोशल मीडिया के बुरे प्रभावों पर व्यवहारिक व्याख्यान दिया गया।

उन्होंने सोशल मीडिया के उपयोग के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और शैक्षणिक परिणामों पर प्रकाश डाला। छात्राओं को सावधानीपूर्वक और संतुलित डिजिटल आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। शैक्षणिक सत्र में डा. नितिका भंडारी चिरंजीलाल गर्वनमेंट महाविद्यालय करनाल द्वारा कृत्रिम बुद्धिमता के युग में डिजिटल साक्षरता विषय पर व्याख्यान दिया गया। उन्होंने एआई संचालित दुनिया में डिजिटल क्षमता के बढ़ते महत्व पर विस्तार से बताते हुए प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग, डेटा जागरूकता और डिजिटल प्लेटफार्मस के साथ जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। समकालीन समाज में कृत्रिम बुद्धिमता द्वारा उत्पन्न अवसरों और चुनौतियों के प्रति स्वयंसेवकों को जागरूक किया। खालसा कालेज करनाल की रेणु ने कम्पयूटेशनल सोच पर छात्राओं को तार्किक कर्क, समस्या सुलझाने के कौशल सिखाए। स्वयंसेवकों ने रोजमर्रा के जीवन में कम्पयूटेशनल सोच को लागू करने की जानकारी प्राप्त की। शिविर में डा. शिवांगी और सिल्की का विशेष सहयोग रहा।

बाबा सिद्धनाथ स्कूल में दसवीं व बारहवीं कक्षा के लिए हवन यज्ञ एवं आशीर्वाद समारोह का आयोजन

कुरुक्षेत्र, 11 फरवरी (करणदीप सिंह) : बाबा सिद्धनाथ इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में दसवीं कक्षा और बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए हवन यज्ञ सहित आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। इस आशीर्वाद समारोह के अवसर पर दसवीं कक्षा और बारहवीं कक्षा के छात्रों को बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आशीर्वाद दिया गया और विद्यालय प्रांगण में हवन का आयोजन किया गया। जिसमें पांच हवन कुंडों को स्थापित किया गया। सभी छात्रों और शिक्षकों ने हवन कुंड में पूर्ण आहुति दी। हवन के दौरान विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई और उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्रबंधक ईश्वर सिंह एवं रेखा देवी ने कहा कि हम आशा करते हैं कि यह समारोह छात्रों को उनके लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा। विद्यालय की प्रधानाचार्या गीता शर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि यह समय उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ है और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होगी। आशीर्वाद समारोह के बाद छात्रों को प्रेरणादायक संदेश देने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सफलता की कहानियों और प्रेरक उदाहरणों को साझा किया गया।

समारोह के अंत में शिक्षकों ने विद्यार्थियों पर पुष्प वर्षा की और इसी के सम्मान में विद्यार्थियों ने सभी शिक्षकों से आशीर्वाद ग्रहण किया और उन्हें धन्यवाद दिया।

विधायक ने बाल विवाह के खिलाफ रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

तरावड़ी, 11 फरवरी (छाया शर्मा) : एम.डी.डी.ऑफ इंडिया एवं जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रेन द्वारा आयोजित की जा रही बाल विवाह मुक्त भारत रथ यात्रा को विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष चौधरी राजपाल हैबतपुर, देवेंद्र कामरा एवं रणजीत भारद्वाज भी खासतौर पर मौजूद रहे। विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने स्वयं हस्ताक्षर कर इस जन-आंदोलन का हिस्सा बनते हुए समाज को स्पष्ट संदेश दिया कि बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि कोई भी बाल विवाह न करे और यदि कहीं बाल विवाह होता दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों या जारी हेल्पलाइन नंबरों पर दें।

विधायक कबीरपंथी ने इस मुहिम की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक बताया।

मंडल अध्यक्ष चौधरी राजपाल हैबतपुर ने भी लोगों से अपील करते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग को आगे आकर इस अभियान में सक्रिय सहयोग देना चाहिए, ताकि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से समाप्त किया जा सके। सामाजिक कार्यकर्ता महाबीर मैहला ने इस मुहिम के उद्देश्य, 100 दिवसीय अभियान की रूपरेखा तथा रथ यात्रा के माध्यम से किए जा रहे जन-जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करने वाला आंदोलन है।

उन्होंने अभिभावकों, युवाओं और पंचायत प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे बाल विवाह रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएं और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आएं। रथ यात्रा के माध्यम से गांव-गांव और कस्बों में पहुंचकर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा, ताकि बाल विवाह मुक्त भारत का संकल्प साकार हो सके।

खंड स्तरीय ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

कालका, 11 फरवरी (अख्तर फ़ारूक़ी, अजीत सिंह) : अरुणा आसफ़ अली राजकीय महाविद्यालय, कालका के मैदान में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, पिंजौर आरु वशिष्ठ के नेतृत्व में खंड स्तर पर ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय, पिंजौर के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे तथा आयोजन को सफल बनाने में उनका सक्रिय सहयोग रहा। इस अवसर पर उपमंडल अस्पताल कालका से आई महिला चिकित्सक ने कार्यक्रम में सहभागिता की तथा महिलाओं को स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही डाक विभाग से हीना द्वारा अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने पोस्ट ऑफिस की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से सुकन्या समृद्धि योजना के लाभों पर प्रकाश डालते हुए बेटियों के सुरक्षित भविष्य हेतु बचत के महत्व को बताया। ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं के लिए अनेक खेलों का आयोजन किया गया। 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के लिए 300 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़ एवं साइकिल रेस आयोजित की गई। वहीं 30 से 45 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं के लिए 100 मीटर दौड़, डिस्कस थ्रो एवं म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताएं करवाई गईं। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं का कुआं पूजन भी किया गया तथा 1 वर्ष से कम आयु की बच्चियों का अन्नप्राशन भी करवाया गया । जिसमें उन्हें पौष्टिक आहार जैसे खिचड़ी, सूजी का हलवा खिलाकर पौष्टिक आहार ग्रहण करने का संदेश दिया गया, इसके अतिरिक्त बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत केक कटिंग सेरिमनी आयोजित की गई। नन्ही बच्चियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया तथा उनके नन्हे चिन्ह की छाप के माध्यम से समाज में बेटियों को शिक्षित करने एवं आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया। ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता में प्रत्येक खेल के विजेताओं को पुरस्कार, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को महिलाओं के सशक्तिकरण तथा बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, पिंजौर आरु वशिष्ठ द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को उत्साहपूर्वक आगे बढ़ाने तथा महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सदैव सतर्क एवं जागरूक रहने का संदेश दिया गया।

कोच्चि यूनिवर्सिटी जापान के प्रतिनिधिमंडल ने किया एमएचयू का दौरा

करनाल, 11 फरवरी (सुमन लता) : बुधवार को कोच्चि यूनिवर्सिटी जापान के वाइस प्रैजिडेंट डॉ. इशिजुका शातोसी के नेतृत्व में 3 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी करनाल का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल के एमएचयू में पहुंचने पर एमएचयू के माननीय कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने प्रतिनिमंडल का स्वागत किया। एमएचयू के कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने जापानी प्रतिनिधिमंडल सदस्यों को एमएचयू की अनुसंधान, शैक्षणिक ओर प्रचार प्रसार की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान माननीय कुलपति ने कोच्चि यूनिवर्सिटी जापान के साथ किस प्रकार भविष्य में एमओयू पर आगे बढ़ा जाए, इन सब विषयों को लेकर माननीय कुलपति ओर जापानी प्रतिनिधिमंडल के बीच सहभागिता के साथ विश्वविद्यालयों में चल रहे अनुसंधान एवं शिक्षण संबंधी प्रोजेक्टस पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने बताया कि महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी करनाल का कोच्चि यूनिवर्सिटी जापान के साथ समझौता ज्ञापन हुआ था, उस एमओयू के तहत चल रहे इंटरनेट ऑफ प्लांटस (आईओपी) ओर सेटरैप आदि प्रोजेक्टों को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिनिधिमंडल एमएचयू पहुंचा है। एमएचयू के वैज्ञानिक चल रहे प्रोजेक्टों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके अलावा भी कई विषयों जैसे जलवायु परिवर्तन, बागवानी में किसानों के पास नवीनतम तकनीकें पहुंचाना, उन्नत किस्म की पौध ओर बीज, दोनों देशों के बीच अनुसंधानों को बढ़ाना, ज्ञान का आदान प्रदान करना आदि पर चर्चा हुई, जिससे दोनों देशों में अपनाई जा रही तकनीकों का फायदा किसानों को मिल सकें। माननीय कुलपति ने जापानी प्रतिनिधिमंडलीय सदस्यों को बताया कि भारत सरकार बागवानी खेती को बढ़ावा देने के लिए किसान भाईयों के लिए अनेको योजनाएं चला रही है, योजनाओं का फायदा सीधा किसानों तक पहुंच रहा है। सरकार के प्रयासों की बदौलत देश-प्रदेश में बागवानी का उत्पादन बढ़ रहा है।

बागवानी के क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ती जनसंख्या के लिए उत्पादन बढ़ाने में नई तकनीक को बढ़ावा मिलेगा : डॉ. इशिजुका

कोच्चि यूनिवर्सिटी जापान के वाइस प्रैजिडेंट डॉ. इशिजुका शातोसी ने कहा कि माननीय कुलपति प्रो. सुरेश के नेतृत्व में यूनिवर्सिटी नई तकनीकों को आगे बढ़ा रही है, जिसका फायदा भविष्य में भारत के किसानों को मिलेगा। दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के साथ जो समझौता ज्ञापन हुआ है ओर चल रहे प्रोजेक्टों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बागवानी के क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ती जनसंख्या के लिए उत्पादन बढ़ाने में नई तकनीक और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और सहयोग सम्बधों के माध्यम से हरियाणा राज्य की बागवानी को एक नई दिशा मिलेगी।

कुलपति प्रो. सुरेश की अध्यक्षता में की अनुसंधानों पर चर्चा

जापान से आए वैज्ञानिक दल और एमएचयू के वैज्ञानिक दल के कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा की अध्यक्षता में विस्तृत रूप से बागवानी अनुसंधान फार्म एवं महाविद्यालय अंजनथली में चर्चा की ओर विभिन्न फलों, सब्जियों, फूल, मसाले एवं औषधीय पौधों पर चल रहे अनुसंधान का अवलोन भी किया। उन्होंने कहा कि एमएचयू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाने के लिए आगे बढ़ रहा है। इसके पश्चात जापान के प्रतिनिधिमंडल ने एमएचयू के निर्माणाधीन मेन कैंपस का निरीक्षण किया। इस अवसर पर डीन डॉ. देव राज, अनुसंधान निदेशक डॉ. धर्मपाल, डॉ रंजन गुप्ता, कुलसचिव डॉ. सुरेश सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

कांग्रेस में हर कार्यकर्ताओं को मिलेगा पूरा मान सम्मान : पराग गाबा

करनाल, 11 फरवरी (संदीप/रविन्द्र) : शहरी जिला कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को सदस्यता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े कई प्रमुख कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की। कांग्रेस पदाधिकारियों ने नए साथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व वार्ड प्रधान बलबीर सिंह वाल्मीकि, पूर्व वार्ड प्रधान कुलदीप सिंह (आम आदमी पार्टी), राजन वाल्मीकि (भाजपा) तथा रामनिवास वाल्मीकि ने अन्य दलों को छोडक़र कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा में विश्वास जताते हुए पार्टी का दामन थामा। कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष पराग गाबा ने सभी नए सदस्यों को पार्टी का पटका पहनाकर औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल किया।

उन्होंने कहा कि यह सदस्यता कार्यक्रम कांग्रेस के कर्मठ नेता प्रवीण पूनिया के विशेष प्रयासों से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है।

उन्होंने बताया कि पार्टी लगातार संगठन विस्तार अभियान चला रही है और जमीनी स्तर पर कांग्रेस की पकड़ को मजबूत किया जा रहा है। पराग गाबा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक विचारधारा आधारित संगठन है, जहां हर कार्यकर्ता को पूरा मान-सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और कांग्रेस परिवार अपने कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में सदैव साथ खड़ा रहता है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए साथियों के जुडऩे से संगठन को और अधिक ऊर्जा मिलेगी तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों में कांग्रेस की भूमिका और प्रभावशाली होगा। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

जनभागीदारी से ही योजनाओं में आएगी गुणवत्ता : डॉ. चौहान

नीलोखेड़ी, 11 फरवरी (सुरेश मिड्डा) : सामाजिक अंकेक्षण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता को सशक्त बनाने की एक सशक्त प्रक्रिया है। जब ग्रामीण स्वयं योजनाओं की समीक्षा करते हैं, तो पारदर्शिता बढ़ती है, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगता है और वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित होता है। यह बात हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान ने कही। वे संस्थान में चल रहे सामाजिक अंकेक्षण विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में समापन सत्र को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. वजीर सिंह रहे। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. वजीर सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर डॉ. चौहान का स्वागत किया तथा उनके आगमन पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि सामाजिक अंकेक्षण योजनाओं की प्रभावी निगरानी और जनभागीदारी का सशक्त माध्यम है। डॉ. चौहान कहा कि सामाजिक अंकेक्षण लोकतंत्र की आत्मा है, जो शासन और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की सफलता पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और जनसहभागिता पर निर्भर करती है। निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की क्षमता निर्माण सुनिश्चित होता है, जिससे योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी और परिणामोन्मुखी बनता है। उन्होंने प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे सीखे गए ज्ञान को जमीनी स्तर पर लागू कर ग्रामीण विकास की प्रक्रिया को सशक्त बनाएं। डॉ. चौहान ने सभी प्रतिभागियों को अपने कार्यों में हिंदी भाषा को प्राथमिकता देने का संकल्प भी दिलवाया। उन्होंने कहा कि राजकीय कार्यों में हिंदी के प्रयोग से आमजन के साथ संवाद अधिक सहज और प्रभावी बनता है तथा प्रशासनिक पारदर्शिता को बल मिलता है। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्य कमलदीप सांगवान, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान से सलाहकार गुरबिंदर सिंह तथा प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागी उपस्थित रहे।

इस प्रकार करें घरेलू उपकरणों की सफाई

महिलाओं को घर के कामकाज के दौरान घरेलू उपकारणों जैसे फ्रिज, वाशिंग मशीन, ओवन और मिक्सी आदि की जरुरत हमेशा पड़ती रहती है। इनसे जहां काम आसान होता है, वहीं जल्दी भी हो जाता है। वहीं अगर आप काम में वयस्त रहने की बात कहकर अपने घरेलू उपकरणों की साफ सफाई नहीं कर पा रहीं तो यह नुकसान देह हो सकता है।

फ्रिज,वाशिंग मशीन और ओवन आदि की साफ-सफाई बेहद जरुरी है। इन उपकरणों में कई रोगाणुओं तथा फंगस के फलने-फूलने का खतरा रहता अधिक रहता है, जिनके चलते पेट दर्द तथा त्वचा के संक्रमण जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इससे आप ही नहीं पूरे परेवार को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अध्ययनों से पता चलता है कि ई कोली, सालमोनेला तथा लिस्टीरिया जैसे रोगाणु फ्रिज में पनप सकते हैं, जिसके चलते फूड प्वायजनिंग, पेट में गड़बड़ी तथा फ्लू जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि सलाद वाले दराजों में अक्सर सुरक्षित माने जाते बैक्टीरिया के मुकाबले 750 गुणा अधिक बैक्टीरिया होते हैं।

ऐसे में एक सप्ताह के बाद फ्रिज के दराजों तथा शैल्फों की हल्की सफाई की जानी चाहिए। जहां कुछ तरल बहा हो इसे साफ किया जाना चाहिए और बासी भोजन को फ्रिज से बाहर निकाल देना चाहिए। हर 3 महीने के अंतराल पर गहराई से फ्रिज की सफाई की जानी चाहिए। डीप क्लीनिंग के लिए फ्रिज से खाद्यों को निकाल दें और गीले कपड़े से जारों या डिब्बों के ढक्कनों तथा निचले हिस्सों की सफाई करें। उसके बाद शैल्फ तथा दराज हटा दें और किचन क्लीनर से फ्रिज के अंदर की सफाई करें। ड्रेन होल को बिल्कुल न भूलें। यदि यह ब्लॉक हो गया है तो फ्रिज से बदबू आ सकती है। सलाद वाले दराज में यदि पानी हो तो इसे बाहर निकाल दें। फ्रिज के हैंडल, टॉप तथा साइडों को साफ करना न भूलें।

वाशिंग मशीन

वाशिंग मशीन में रोगाणु तथा जीवाणु पैदा हो सकते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि 44 प्रतिशत वाशर्स में इ कोली तता स्टेफीलोकोकस नामक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं, जिनसे त्वचा पर छाले या खरोंचे हो सकती हैं।

वाशिंग मशीन की साफ-सफाई हर महीने की जानी चाहिए। डिटर्जेंट वाले दराज को मशीन से निकाल दें और साबिन वाले गर्म पानी में डुबो दें। जब पानी ठंडा हो जाए तो उसमें से धूल हटाने के लिए पुराने टूथब्रथ का इस्तेमाल करें। मशीन के मुख्य भाग की सफाई के लिए इसे खाली एक चक्र में घुमाएं। जब यह चक्र समाप्त हो जाए तो ड्रम को एयर ड्राई करने के लिए मशीन का दरवाजा खोलें। एक गीले कपड़े से रबड़ सील के आस-पास सफाई करें।

ओवन-ओवन में ग्रीस तथा तेल से बैक्टीरिया पैदा होने का खतरा होता है। एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि टॉयलेट सीट के मुकाबले ओवन के हैंडल पर अधिक बैक्टीरिया पाए जाते हैं। हफ्ते के आधार पर ओवन के दरवाजे की साफ-सफाई की जानी चाहिए। हर महीने ओवन की साफ-सफाई करें। ओवन की शैल्फों को निकाल दें और रातभर साबुन वाले पानी में डुबोकर रखें और स्क्रबिंग से पहले 30 मिनट के लिए एक सीलबंद प्लास्टिक बैग में डालकर रखें। हीटिंग एलीमैन्ट्स को ढक दें तथा खाद्यों को ओवन में से निकाल दें। क्लीनर से स्प्रे करें और इसके बाद गीली स्पंज या साबुन वाले गर्म पानी से इसकी साफ-सफाई करें। कोनों की सफाई के लिए टुथ ब्रश का इस्तेमाल करें और हैंडल की सफाई करना बिल्कुल न भूलें। वहीं मिक्सी को अंदर से सूखे कपड़े से साफ कर उसके नट और स्क्रू आदि ठीक से कस दें।

इस प्रकार आप रहेंगी स्वस्थ

महिलाओं को ऐसी बहुत सी समस्याएं होती है जिसका सही समय पर इलाज न होने पर वो किसी बड़ी बीमारी का रुप ले लेती है। इसलिए उन्हें शुरुआत से ही सावधान रहना चाहिये। वैसे तो लहसुन का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है लेकिन इससे महिलाओं की कई तरह की समस्याएं दूर हो सकती है। रोजाना केवल एक लहसुन का सेवन करने से आप कई तरह बीमारियों से छुटकारा पा सकती हैं। इसके लिए आपको दवाइयों का सहारा भी नहीं लेना पड़ेगा। एक आम समस्या कब्ज की है जो महिलाएं किसी से कह नहीं पातीं। जिसके कारण उनकी ये समस्यां किसी बड़ी बीमारी का रुप ले लेती है। इसके लिए रोजाना एक लहसुन की कली को शहद में मिला कर खाने से शरीर के विषाक्त पदार्थों बाहर निकल जाएंगे और आपकी कब्ज की समस्या दूर हो जाएगी।

पैरों की झनझनाहट-पैरों में झनझनाहट होने पर आप इसे छोटी सी बात समझ कर अनदेखा कर देते है। लहसुन में मौजुद प्रोटीन, वसा, कार्बोज, खनिज पदार्थ नसों की झनझनाहट की समस्यां दूर हो जाती है। रोजाना एक लहसुन की कली खाने से बार-बार पैरों में झनझनाहट होनी बंद हो जाएगी। आज के समय में ब्लड प्रैशर की समस्यां ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार हाई बल्ड प्रैशर होने पर खाली पेट लहसुन का सेवन करने से इस समस्यां से छुटकरा पाया जा सकता है। ये ब्लड सर्कुलेशल को बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा लहसुन खाना दिल के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

इम्युन सिस्टम मजबूत-शरीर की ज्यादातर बीमारियां इम्यून सिस्टम के कमजोर होने पर होती है। रोजाना खाली पेट एक लहसुन का पेस्ट बनाकर नींबू और शहद मिला कर खाने से इम्यून सिस्टम तो ठीक रहता ही है साथ ही इससे कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में होता है। लहसुन इन दोनों को बेहतर बनाकर शरीर से बीमारियों को दूर रखता है।

रिश्तों से भागना नहीं, खुद को बचाने का तरीका सीखें, युवाओं को सीख

कई लोग प्यार की चाहत रखते हुए भी किसी के करीब आने पर दूर भाग जाते हैं, जिसका मुख्य कारण रिश्तों में मिला पुराना दर्द और दोबारा दिल टूटने का डर होता है। यह डर उन्हें कमिटमेंट से बचने और अकेलेपन में सुरक्षा ढूंढने पर मजबूर कर देता है।

कई लोग दिल ही दिल में किसी के साथ होना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि कोई उन्हें समझे, उन्हें चुने और बिना शर्त प्यार करे। उन्हें किसी का साथ, किसी की मौजूदगी और किसी के लिए खास होना अच्छा लगता है। लेकिन जब सच में कोई इंसान उनके करीब आता है, जब प्यार हकीकत बनकर सामने खड़ा होता है, तो वे पीछे हट जाते हैं।

ऐसा इसलिए नहीं कि उन्हें प्यार नहीं चाहिए बल्कि इसलिए क्योंकि वे प्यार मिलने से डरते हैं। यह डर धीरे-धीरे उन्हें रिश्तों से दूर कर देता है। इमोशनल दर्द का डर-कई लोगों ने पहले रिश्तों में दिल टूटने, धोखा खाने या भावनात्मक अनदेखी का अनुभव किया होता है। ये अनुभव उनके अंदर गहरे निशान छोड़ जाते हैं। वे आज भी प्यार चाहते हैं, लेकिन दोबारा टूटने का डर उन्हें खुद को बचाने पर मजबूर कर देता है। किसी को पास आने देने से बेहतर उन्हें अकेला रहना ज्यादा सुरक्षित लगता है।

ज्यादा उम्मीदें और आइडियल सोच

फिल्में, सोशल मीडिया और डेटिंग ऐप्स रिश्तों की एक परफेक्ट तस्वीर दिखाते हैं। इससे लोगों के मन में बहुत ऊंची उम्मीदें बन जाती हैं। जब असल इंसान उन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरता, तो वे उसे अपनाने के बजाय खुद को पीछे कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि शायद कहीं कोई और बेहतर होगा।

भरोसे की कमी-आज के समय में धोखा, घोस्टिंग और झूठ ने भरोसे को कमजोर कर दिया है। लोग रिश्ते चाहते हैं, लेकिन किसी पर पूरी तरह भरोसा करने से डरते हैं। जब भरोसा ही नहीं होता, तो सच्चा प्यार भी उन्हें डराने लगता है और वे उसे ठुकरा देते हैं।

आजादी और खुद को खोने का डर

कई लोगों को लगता है कि रिश्ता उनकी आजादी छीन लेगा। वे अपने करियर, सपनों और खुद की पहचान को लेकर सजग होते हैं। वे अकेले इसलिए नहीं रहते क्योंकि उन्हें रिश्ते पसंद नहीं, बल्कि इसलिए क्योंकि वे किसी के लिए खुद को खोना नहीं चाहते।

इमोशनल रूप से थक जाना-काम का दबाव, परिवार की जिम्मेदारियां या पुराने जख्म इंसान को भावनात्मक रूप से थका देते हैं। ऐसे में प्यार का विचार अच्छा लगता है, लेकिन उसे निभाने की ताकत नहीं बचती। ना कहना उनके लिए खुद को संभालने का तरीका बन जाता है।

कमिटमेंट का डर

कमिटमेंट का मतलब जिम्मेदारी, समझौता और भविष्य की चिंता है। कई लोगों के लिए यह सब बहुत भारी लगता है। वे प्यार चाहते हैं, लेकिन बंधन नहीं। इसलिए जब कोई रिश्ता गंभीर होने लगता है, वे भाग जाना आसान समझते हैं।

विकल्पों का भ्रम

डेटिंग ऐप्स यह एहसास कराते हैं कि हमेशा कोई और बेहतर विकल्प मौजूद है।

गर्भासन योग के रोजाना अभ्यास से पीरियडस में भी मिलेगी राहत

पीरियड्स शुरू होते ही कई महिलाओं को तेज दर्द, ऐंठन और पेट में सूजन की शिकायत होती है, जो बेहद कष्टदायक होता है। ऐसे में हर बार पेन किलर का सहारा लेना जरूरी नहीं। योग के माध्यम से इन समस्याओं से काफी हद तक राहत मिल सकती है। इसी क्रम में गर्भासन एक बहुत प्रभावी योग मुद्रा है। गर्भासन के रोजाना अभ्यास से पीरियड्स के दौरान होने वाली परेशानियां कम होती हैं, गर्भाशय स्वस्थ रहता है और मासिक चक्र भी नियमित बनता है। यह आसन तनाव दूर कर

शरीर-मन को संतुलित रखने में भी मदद करता है। महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए गर्भासन को बहुत फायदेमंद बताया है। यह योगासन खासतौर पर स्वस्थ गर्भाशय बनाए रखने और पीरियड्स के दर्द में राहत के साथ ही उसे नियमित करने में मदद करता है। रोजाना कुछ मिनट इस आसन का अभ्यास करने से शरीर और मन दोनों को शांति मिलती है। गर्भासन का नाम गर्भ यानी भ्रूण और आसन यानी मुद्रा से मिलकर बना है। इस आसन में शरीर की स्थिति भ्रूण जैसी हो जाती है, इसलिए इसे गर्भासन कहते हैं। नियमित अभ्यास से तनाव और चिंता काफी कम होती है, मन शांत रहता है और एकाग्रता बढ़ती है। महिलाओं के लिए यह आसन विशेष रूप से उपयोगी है क्योंकि यह प्रजनन स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और पीरियड्स से जुड़ी कई समस्याओं में राहत देता है। इस आसन को सही तरीके से करने के लिए पहले कुछ तैयारी जरूरी है। एक्सपर्ट के अनुसार, गर्भासन शुरू करने से कुछ दिन पहले कुक्कटासन का अभ्यास करें। कुक्कटासन में शरीर का संतुलन अच्छा होने पर ही गर्भासन को आजमाएं। सबसे पहले पद्मासन में बैठें, हाथों को जांघों-पिंडलियों के बीच फंसाकर कोहनियां बाहर निकालें। कोहनियां मोड़कर दोनों कान पकड़ने की कोशिश करें। भार कूल्हों पर रहे। क्षमता अनुसार 30 सेकंड से 1 मिनट तक रहें, फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में वापस आएं।

घरेलू उपायों से स्किन को फिर से दमकता बनाएं

कई महिलाओं को लगता है कि केवल पार्लर ट्रीटमेंट या महंगे प्रोडक्ट्स ही खूबसूरती निखारते हैं, लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है। कई ऐसे पौधे मौजूद हैं जो स्किन के लिए किसी नेचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट से कम नहीं। अगर आप लटकी हुई त्वचा या डल फेस से परेशान हैं, तो एक आसान नुस्खा आपकी स्किन को फिर से टाइट और ग्लोइंग बना सकता है। सबसे पहले ये समझना जरूरी है कि स्किन का लटकना या ढीलापन सिर्फ उम्र के कारण नहीं होता। आजकल 25-30 साल की उम्र में भी लोग स्किन के लटकने की शिकायत करने लगे हैं। इसका कारण है लगातार स्क्रीन टाइम, नींद की कमी, केमिकल बेस्ड क्रीम्स और खराब खानपा।. जब स्किन के नीचे मौजूद कोलेजन कम होने लगता है, तो चेहरे पर कसावट भी घट जाती है। ऐसे में नेचुरल इंग्रीडिएंट्स से स्किन को अंदर से पोषण देना सबसे बेहतर तरीका है।

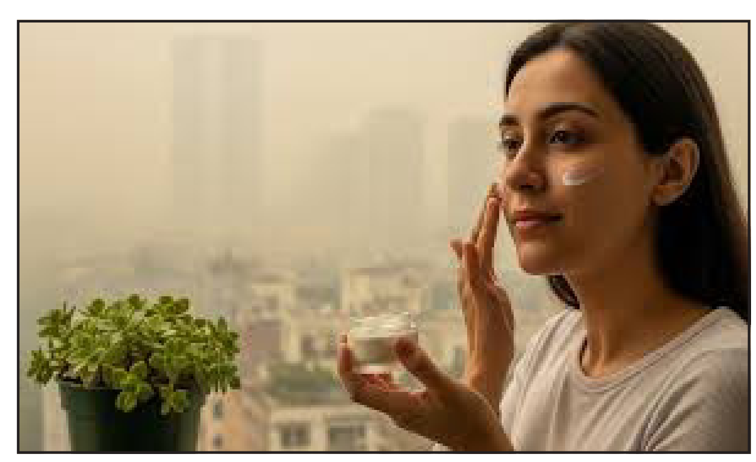

स्किन को कसने और ग्लो बढ़ाने के लिए सिर्फ तीन चीजों की जरूरत है। तुलसी की पत्तियां, चावल का आटा और मुल्तानी मिट्टी। ये तीनों चीजें मिलकर स्किन को नेचुरल टाइटनिंग देती हैं, साथ ही डार्क स्पॉट्स और झुर्रियों को भी कम करती हैं।

तुलसी की पत्तियां (सूखी और पाउडर के रूप में)

चावल का आटा

मुल्तानी मिट्टी

कैसे तैयार करें फेस पैक?

1. सबसे पहले तुलसी की ताजी पत्तियों को तोड़कर छांव में सुखा लें।
2. सूख जाने पर इन्हें पीसकर महीन पाउडर बना लें।
3. अब इसमें तुलसी पाउडर की मात्रा से 4 गुना ज्यादा चावल का आटा मिलाएं।
4. फिर इस मिक्स में 4 गुना मुल्तानी मिट्टी डालें और अच्छे से मिक्स कर लें।
5. जब भी लगाना हो, इस पाउडर में कच्चा दूध या एलोवेरा जेल मिलाकर पेस्ट बना लें।.
6. इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें।
7. समय पूरा होने पर सादे पानी से धो लें।

रोजाना या हफ्ते में 3 बार इसका इस्तेमाल करने से स्किन पर फर्क आने लगेगा।

वॉर्डरोब शामिल करें मैक्सी श्रग – तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में श्रग नहीं मैक्सी श्रग का क्रेज बढ़ा है। एंकल और नी लेंथ वाले इस श्रग को आप वेस्टर्न स्टाइल के ड्रेस के साथ आसानी से कैरी कर सकती हैं। बदलते फैशन के हिसाब से हर बार वॉर्डरोब में बदलाव करना हर किसी के लिए संभव नहीं है। ऐसे में आप कुछ एक्सेससरीज को अपने वॉर्डरोब शामिल करके अपने फैशन को अपडेट तो कर सकती हैं, जैसे मैक्सी यानी लॉन्ग श्रग। वैसे भी ड्रेसेज में लेयरिंग का ट्रेंड है। अगर आप वेस्टर्न स्टाइल के कपड़े पहनती हैं और लेयरिंग से प्रभावित हैं, तो आपके लिए मैक्सी श्रग का कॉम्बीनेशन सबसे बढ़िया रहेगा। कई सारी बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को भी आप लॉन्ग श्रग के साथ देख चुकी होंगी।

वेस्टर्न स्टाइल के ड्रेस के साथ लॉन्ग श्रग काफी स्टाइलिश लगता है। खुद को आकर्षक दिखाने के लिए आप भी इसे किसी ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। जींस के साथ ही नहीं, इसे शॉर्ट्स के साथ भी आसानी से कैरी किया जा सकता है। वहीं फैशन डिजाइनरों के अनुसार यदि मैक्सी श्रग को सही आउटफिट के साथ न पहना जाए, तो यह आपके लुक को बिगाड़ भी सकता है। इसलिए इसके साथ सही मैचिंग भी बेहद जरूरी है। जींस-टॉप के साथ अगर आपको अपना लुक पसंद नहीं आ रहा है, तो इसे लॉन्ग श्रग से लेयर करें। इससे आपका लुक आकर्षक लगने लगेगा। शॉर्ट्स के साथ यह बेहद स्टाइलिश लुक देता है, लेकिन आप इसे जींस के साथ पहन सकती हैं, लेकिन यहां भी आपको कलर कॉम्बिनेशन का ध्यान रखना होगा। क्रॉप टॉप और धोती के साथ भी आप इसे पहन सकती हैं।

लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप टिप्स:रिश्तों को संभालने का अवसर

लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में बढ़ती दूरियों और गलतफहमियों को समय रहते संभालना जरूरी है, वरना रिश्ता कमजोर पड़ सकता है। जानें कैसे नियमित संवाद, वर्चुअल रोमांस और सरप्राइज प्लान करके आप अपने पार्टनर के साथ इस मुश्किल दौर में भी रिश्ते को मजबूत बना सकते हैं। लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप को निभाना जितना आसान बाहर से लगता है, असल में उससे कहीं ज्यादा मुश्किल होता है। शुरुआत के दिन भले ही ठीक-ठाक लगें, लेकिन जैसे-जैसे वक्त गुजरता है, यही लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप धीरे-धीरे नरक जैसा महसूस होने लगता है। ऊपर से लोगों की बिजी लाइफ और उलझे हुए शेड्यूल हालात को और बिगाड़ देते हैं। यहीं से ज्यादातर लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में दरार पड़नी शुरू हो जाती है। लेकिन बात पूरी तरह बिगड़ने से पहले, सच यह है कि अभी भी इसे संभालने और ठीक करने का वक्त आपके पास मौजूद है।

एक-दूसरे को समय दें-लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में होने के बावजूद, एक-दूसरे के लिए समय निकालना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। किसी भी मजबूत रिश्ते की नींव तभी टिकती है जब आप अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-बड़ी बातें अपने पार्टनर से शेयर करते हैं। दिन कैसा गया, क्या अच्छा लगा, क्या परेशान कर रहा है, इन सबको बांटने से आप भावनात्मक रूप से जुड़े रहते हैं। दूरी के बावजूद ऐसा करने से कपल्स एक-दूसरे से बंधे रहते हैं और रिश्ता ठंडा नहीं पड़ता।

रोमांस को जिंदा रखने के लिए यह तरीका अपनाएं

लंबी दूरी के रिश्ते में रोमांस बनाए रखना आसान नहीं होता, लेकिन यहां तकनीक आपकी सबसे बड़ी मददगार बन सकती है। वर्चुअल डेट नाइट्स प्लान करें और अपने पार्टनर को स्पेशल फील कराएं। रोमांस सिर्फ बर्थडे या फेस्टिवल तक सीमित नहीं होना चाहिए। अगर आप नियमित रूप से वीडियो कॉल, ऑनलाइन मूवी डेट या छोटी-छोटी वर्चुअल मुलाकातों के लिए समय निकालते हैं तो रिश्ता धीरे-धीरे और मजबूत होता चला जाता है।

पार्टनर के लिए सरप्राइज प्लान करें

सरप्राइज विजिट आपके पार्टनर को यह एहसास दिलाने का सबसे खूबसूरत तरीका होता है कि वे आपके लिए कितने मायने रखते हैं। बिना बताए मिलने का प्लान करना रिश्ते में फिर से वही उत्साह भर देता है। अगर मिलना मुमकिन न हो तो कोई नया हुनर सीखकर सरप्राइज दें, जैसे गिटार पर कोई रोमांटिक धुन बजाना या अपने हाथों से कुछ खास बनाना। ऐसे छोटे प्रयास रिश्ते को अंदर से मजबूत बना देते हैं।

पुरानी यादों को ताजा रखें-बात करते वक्त पुरानी यादों को याद कर मुस्कुराना भी रिश्ते के लिए बेहद जरूरी है। जब हम किसी से दूर होते हैं तो उसके साथ बिताए पल और भी कीमती लगने लगते हैं। अकेलेपन में उसकी याद में शायरी लिखना, कविता बनाना या उन रोमांटिक पलों को शब्दों में उतारना दिल को सुकून देता है और रिश्ते को भावनात्मक गहराई देता है।छोटी-छोटी बातों को बड़ा बनने से रोकना लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशनशिप में बहुत जरूरी है। दूरी होने पर गलतफहमियां होना आम बात है, लेकिन उन्हें चुपचाप बढ़ने देना रिश्ते के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए साफ और ईमानदार बातचीत करें, धैर्य रखें और एक-दूसरे की भावनाओं को समझने की कोशिश करें। दूरी को स्वीकार करना और उससे नाराज होना भी कभी-कभी जरूरी होता है बस उसे रिश्ते पर हावी न होने दें।

सीजन में स्द्व्ठुद्द्यद्व हैं तो उदास क्यों? अपनाएं ये स्द्व्ह्यद्व-ष्ट्डुह्द्द टिप्स, खुद से करें प्यार

फरवरी का महीना प्यार के लिए जाना जाता है। बहुत जल्द ही प्यार के इम्तिहान शुरु होने वाले है। वैलेंटाइन वीक आते ही सिंगल लोग खुद को एंकात में कैद करना पसंद करते हैं। इस दौरान सोशल मीडिया पर प्यार भरे, रोमांटिक पोस्ट देखकर उनका मन दुखी होने लगता है। वैलेंटाइन वीक के दौरान सिंगल लोग काफी उदास नजर आते हैं। अगर आप सिंगल हैं, तो मन में उदासी, स्न्हस्न्ह(स्न्द्द्डुह शद्ध द्वद्वह्यह्यद्वठ्द शह्ह) या खुद को कम समझने की भावना को फील करने लगते हैं। ऐसे में मेटर हेल्थ एक्सपर्ट का मानना है कि यह समय खुद से जुड़ाव, इमोशनल हीलिंग, पर्सनल ग्रोथ के लिए परफेक्ट हो सकता है। अब जरुरी नहीं है कि किसी रिश्ते में हो, तभी आप खुश रहे। यदि आप वैलेंटाइन सीजन में सिंगल हैं, तो थोड़ा समय खुद के लिए जरुर निकालें और कुछ चीजों को करने की कोशिश बिल्कुल न करें।

सिंगल होना समस्या नहीं-किसी रिश्ते में न रहकर सिंगल लोग इसे समस्या समझने लगते हैं, इसको समस्या न समझें, बल्कि इसे आप पर्सनल च्वॉइस माने। जरुरी नहीं है किसी रिश्ते में खुशी की गारंटी मिले। सिंगल रहने वाले लोग आजाद होते हैं और कही भी जा सकते हैं। आप अपनी मर्जी के खुद मालिक होते हैं।

सोशल मीडिया से दूरी-वैलेंटाइन वीक के दौरान, आपको सोशल मीडिया अफेक्ट कर रही हैं, तो आप इस समय सोशल मीडिया से दूरी बना सकते हैं। क्योंकि आप जितना सोशल मीडिया देखेंगे उतने ही उदास महसूस करेंगे। इसलिए जरुरी है कि आप कुछ दिन के लिए सोशल मीडिया से दूर रहे या फिर इन चीजों को इग्नोर करें।

सेल्फ केयर या डेट-आप वैलेंटाइन वीक के दौरान खुद को पैंपर कर सकते हैं। सेल्फ केयर करना भी काफी जरुरी होती है। खुद को आप तोहफा दे सकते हैं, आप चाहे तो खुद को किसी पसंदीदा जगह पर डेट पर जाएं। आप फिल्म देखने भी जा सकते हैं। खुद के साथ क्वालिटी टाइम बिताने से इमोशनल डिपेंडेंसी काफी हद तक कम होने लगती है।

अकेलेपन पर बात करें-यदि आपको अकेलापन ज्यादा ही उदासी महसूस करा रहा है, तो आप इसको लेकर लिखना शुरु कर दें या फिर किसी दोस्त से इस बारे में जरुर बात करें। जब आप अपनी फीलिंग्स को दबाकर रखेंगे तो आपको घुटन फील होने लगेंगी, इससे आपकी मेंटल हेल्थ भी खराब हो सकती है।

फ्यूचर रिलेशनशिप-इस दौरान कुछ चीजों के साथ खुद को फ्यूचर रिलेनशिप के लिए तैयार कर सकते हैं। किसी भी रिश्ते में क्या चाहते हैं, पार्टनर आपका कैसा होना चाहिए, मेरी बाउंड्रीस क्या है?

बसतली अड्डे पर यात्रियों से खुलेआम खिलवाड़

भीड़ देखकर भी फर्राटा भर गई रोडवेज बस : जिम्मेदार कौन

बसतली अड्डे पर सरेआम नियमों की धज्जियां, भीड़ देखकर भी नहीं रोकी बस : रोडवेज की मनमानी से जनता में उबाल

निसिंग, 11 फरवरी (जोगिंद्र सिंह) : बसतली बस अड्डे निसिंग, मंजूरा और करनाल जाने वाली सवारियों की भारी भीड़ लगी थी, महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे बस का इंतजार करते-करते थक चुके थे, लेकिन तभी कैथल की और से आ रही हरियाणा रोडवेज करनाल डिपो की बस संख्या HR-YZ-GV-6656 बस अड्डे के सामने से बिना रुके फर्राटा भरती हुई निकल गई। जो की वहा पर मौजूद मिडिया कर्मी के कमरे में कैद हो गई। यह चालक व परिचालक की लापरवाही नहीं, बल्कि यात्रियों के साथ सीधा अन्याय और नियमों की सरेआम धज्जियां हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि बसतली अड्डा अब सिर्फ नाम का अड्डा बनकर रह गया है। यहां बस रोकना ड्राइवरों की मर्जी पर छोड़ दिया गया है। कई बार शिकायत के बावजूद न तो विभाग हरकत में आया और न ही किसी जिम्मेदार पर कार्रवाई हुई।सबसे शर्मनाक बात यह है कि अड्डे पर खड़ी भीड़ साफ दिखाई देने के बावजूद बस को नहीं रोका गया। इससे साफ है कि रोडवेज अधिकारियों की नाक के नीचे यात्रियों के अधिकारों का मजाक उड़ाया जा रहा है। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा है कि अगर जल्द ही बसतली अड्डे पर बसों को नियमित रूप से नहीं रोका गया, तो लोग सड़क पर उतरकर रोडवेज प्रशासन के खिलाफ जोरदार आंदोलन करेंगे।

रोडवेज के चालक व परिचालक की प्राइवेट बस चालकों से मिलीभगत

स्थानीय यात्रियों का आरोप है कि रोडवेज के चालक व परिचालक की प्राइवेट बस चालकों से मिलीभगत के चलते सरकारी बसों में यात्रियों को नहीं बैठाया जा रहा, यात्रियों ने बताया कि रोडवेज के चालक व परिचालक या तो प्राइवेट बस को आगे निकल देते हैं कि अड्डे की सवारियां बैठा लें या फिर खुद अड्डे पर बस नहीं रोकते, क्यों कि हरियाणा रोडवेज के पीछे-पीछे आ रही प्राइवेट बस सवारियां बैठा लेगी। जिससे सीधा फायदा निजी बस संचालकों को पहुंचा रहे है। यात्रियों का कहना है कि यह कोई एक दिन की बात नहीं, बल्कि रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। सरकारी बस होते हुए भी लोगों को मजबूरी में असुविधाजनक प्राइवेट बसों में सफर करना पड़ रहा है। लोगों ने मांग की है कि परिवहन विभाग इस पूरे मामले की तत्काल जांच कर दोषी चालक-परिचालकों पर सख्त कार्रवाई करे, ताकि हरियाणा रोडवेज की छवि और आम यात्रियों के अधिकारों की रक्षा हो सके।

इस संबंध में हरियाणा रोडवेज के महाप्रबंधक (जीएम) से बात की गई तो उन्होंने बसतली अड्डे पर बस न रोकने के मामले को गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि यात्रियों को देखकर भी बस नहीं रोकना नियमों का सीधा उल्लंघन है। इस प्रकरण की जांच के आदेश दे दिए जाएंगे और संबंधित चालक व परिचालक से स्पष्टीकरण तलब किया जाएगा।

जीएम ने स्पष्ट किया कि यदि जांच में प्राइवेट बस चालकों से मिलीभगत या जानबूझकर सवारियां न उठाने की पुष्टि होती है, तो चालक व परिचालक के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा रोडवेज का मुख्य उद्देश्य आम जनता को सुविधा देना है।

कुलदीप सिंह, जीएम करनाल

अधिकारों से होता है व्यक्ति के जीवन का विकास : डॉ बलराम शर्मा

करनाल, 11 फरवरी (संदीप रोहिला) : महिला डीएवी कॉलेज, करनाल के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा चलाए जा रहे सात दिवसीय कैंप के तीसरे दिन मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ बलराम शर्मा ने कहा कि मानवाधिकार किसी भी राष्ट्र की वह मूलभूत सुविधाएं और आवश्यकताएं हैं जिनके बिना कोई भी व्यक्ति अपने जीवन का विकास नहीं कर सकता। इसलिए विश्व के सभी देशों के संविधानों में अधिकारों को शामिल किया गया है। अधिकार मनुष्य को जीवन जीने एवं उसके विकास करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज के निर्माण में भी अधिकारों का बड़ा महत्व है। अधिकार देश के सभी प्राणियों में समानता का भाव पैदा करते हैं। अधिकार व्यक्ति को मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाते हैं। अधिकार किसी भी राष्ट्र की उन्नति और विकास का सूचक है। डॉ बलराम शर्मा ने कहा कि अधिकार धर्म और विश्वास पर आधारित हर प्रकार के असंयम और भेदभाव की समाप्ति की घोषणा करते हैं। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज प्राचार्य डॉ मीनू शर्मा व कार्यक्रम अधिकारी डॉ शिवांगी व डॉ सिल्की ने मुख्य वक्ता डॉ बलराम शर्मा का धन्यवाद किया।

शक्ति केंद्र कालरों मुबारकबाद पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मनाई पुण्यतिथि

घरौंडा, 11 फरवरी (नरेन्द्र लाठर) : देश भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि 11 फरवरी को समर्पण दिवस के रूप में बुथ स्तर पर मनाई गई इसी कड़ी में बुधवार को मधुबन मण्डल के कालरों मुबारकबाद शक्ति केंद्र के सभी बूथों पर शक्ति केंद्र प्रमुख सन्दीप लोहट की अध्यक्षता में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर मनाई पुण्यतिथि। भाजपा कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र के प्रति समर्पण और सेवा का संकल्प भी लिया। शक्ति केंद्र प्रमुख सन्दीप लोहट ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता पंडित दीनदयाल के सिद्धांतों को आत्मसात कर राष्ट्र सेवा में तत्पर रहे। उन्होंने बताया कि प.दीनदयाल जी अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आएं, आजीवन संघ के प्रचारक रहे। 21 अक्टूबर 1951 को डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई। 1952 में इसका प्रथम अधिवेशन कानपुर में हुआ और दीनदयाल उपाध्याय जी इस दल के महामंत्री बने तथा 1967 तक वे भारतीय जनसंघ के महामंत्री रहे।

अंत्योदय का नारा देने वाले दीनदयाल उपाध्याय का कहना था कि अगर हम एकता चाहते हैं, तो हमें भारतीय राष्ट्रवाद को समझना होगा, जो हिंदू राष्ट्रवाद है और भारतीय संस्कृति हिन्दू संस्कृति है। उनका कहना था कि भारत की जड़ों से जुड़ी राजनीति, अर्थनीति और समाज नीति ही देश के भाग्य को बदलने का सामर्थ्य रखती है। कोई

भी देश अपनी जड़ों से कटकर विकास नहीं कर सका है। कालीकट अधिवेशन में उपाध्याय जी भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए और मात्र 43 दिन बाद ही 10 फरवरी 1968 की रात्रि में मुगलसराय स्टेशन पर उनकी हत्या कर दी गई और इस सूचना से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। पं. दीनदयाल उपाध्याय ने अपनी परंपराओं और जड़ों से जुड़े रहने के बावजूद समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी नवीन विचारों का सदैव स्वागत किया। उन्हें भाजपा के पितृपुरुष भी कहा जाता है। कार्यक्रम में बूथ अध्यक्ष तेजबीर सिंह, वीरेंद्र राणा, मेमपाल राणा, ठाकुर मामचंद, रामेश्वर वाल्मीकि, सोहन सिंह, दीपांशु लोहट, कमलजीत भगत, प्रवीण नंदवाल, पूर्व सरपंच सुमन देवी, ब्लॉक समिति प्रतिनिधि अशोक राणा,राजेश मराठा, नरेश कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सभी मतदान केन्द्रों पर 14 व 15 फरवरी को विशेष कैंप होंगे आयोजित : एसडीएम

करनाल, 11 फरवरी (प्रवीन) : एसडीएम एवं निर्वाचन पंजीयन अधिकारी प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में करनाल विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित सभी सहायक निर्वाचन पंजीयन अधिकारी व निर्वाचन सुपरवाईजर के साथ आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित मैपिंग व वंशज मिलान के बारे में सभी बूथ स्तरीय अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया गया। एसडीएम एवं निर्वाचन पंजीयन अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि करनाल के सभी मतदान केन्द्रों पर 14 व 15 फरवरी को प्रात- 9 बजे से शाम 5 बजे विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैम्प के दौरान सभी बी0एल0ओ0 अपने मतदान केंद्रों से संबंधित मतदाताओं की मैपिंग व वंशज मिलान का कार्य करेंगें। इसके साथ ही नगर पार्षदों से अनुरोध किया जाता है कि आप अपने क्षेत्र से संबंधित मतदाताओं की मैपिंग व वंशज मिलान कार्य में बूथ स्तरीय अधिकारियों का आम जन सहयोग करें ताकि आगामी (एसआईआर) से संबंधित सभी प्रकार की सुचनाएं आम जन को उपलब्ध करवाई जा सके और भविष्य में होने वाले कार्य में मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी या दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

नारायण प्रतिभा खोज परीक्षा का उत्तर क्षेत्र में सफल आयोजन

कुरुक्षेत्र, 11 फरवरी (करणदीप सिंह) : विद्या भारती द्वारा आयोजित नरायण प्रतिभा खोज परीक्षा का सफल आयोजन दिनांक 30 जनवरी को विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के पाँच प्रांत जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा एवं दिल्ली में एक साथ सम्पन्न हुआ। इस परीक्षा के लिए कुल 34,305 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया गया। जिनमें से लगभग 25,000 विद्यार्थियों ने परीक्षा में उपस्थित होकर सहभागिता की।

सभी प्रांतों में परीक्षा का आयोजन सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ। उत्तर क्षेत्र में आयोजित इस परीक्षा में हरियाणा के 62 विद्यालयों, पंजाब के 84 विद्यालयों, जम्मू-कश्मीर के 18 विद्यालयों, दिल्ली के 58 विद्यालयों तथा हिमाचल प्रदेश के 65 विद्यालयों ने सहभागिता की। जिससे परीक्षा की व्यापकता एवं प्रभावशीलता स्पष्ट होती है। यह परीक्षा कक्षा 4 से कक्षा 10 तक तथा कक्षा 11 एवं 12 के विज्ञान एवं वाणिज्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता एवं प्रतिभा की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना है।

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के महामंत्री दिलाराम चौहान एवं संगठन मंत्री विजय नड्डा ने परीक्षा के सफल आयोजन हेतु सभी संबंधित प्रांतों, विद्यालयों, आचार्य-आचार्याओं, केंद्राध्यक्षों एवं आयोजन से जुड़े समस्त कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं। उन्होंने जानकारी दी कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके अंतर्गत 90 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 5100, 80 से 89.99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वालों को 3100, 75 से 79.99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वालों को 2100, 70 से 74.99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वालों को 1100, तथा 60 से 69.99 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 500 का सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि समाज में नारायण प्रतिभा खोज परीक्षा की निरंतर बढ़ती मान्यता के कारण इस वर्ष विद्या भारती से संबद्ध विद्यालयों के साथ-साथ अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जिससे परीक्षा की उपयोगिता और विश्वसनीयता और अधिक सुदृढ़ हुई है। परीक्षा का मूल्यांकन कार्य प्रगति पर है तथा परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किए जाएंगे।

सदैव रहे निरोग करें जीवन में शामिल करें योग

मूनक, 11 फरवरी (जयभगवान) : जिला आयुष विभाग सूर्यनमस्कार अभियान के तहत योग की ध्वजा को लेकर सदैव निरोगता का सन्देश वाहक आयुष विभाग के योग सहायक सुमन संधू, कुसुम रानी द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय व राजकीय उच्च विद्यालय रायपुर जाटान में विद्यर्थियों को सूर्यनमस्कार का अभ्यास कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार के 12 स्टेप्स के बारे में जानकारी दी गई।

योग द्वारा ही शरीर का बौद्धिक मानसिक और शारीरिक विकास होता है। योग द्वारा शारीरिक,बौद्धिक रूप से विकसित होकर निरोगी रहने का मूल मंत्र पहला सुख निरोगी काया का महत्व बताया गया। सात्विक आहार व सात्विक विचार श्रेष्ठ मार्ग पर चलने का आधार है और यह योग द्वारा ही सम्भव हैं। इसके द्वारा मनुष्य का सर्वांगीण विकास होता है। सूर्यनमस्कार इस विकास का महत्वपूर्ण अंग है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी योग विद्या से शिक्षित होकर निरोगता के सन्देश वाहक बनने को तत्पर हो। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य अजीत सिंह, राजेश कुमार व अध्यापक संदीप कुमार व अन्य अध्यापक भी उपस्थित रहे।

सी.एम.आर.जे.राजकीय महाविद्यालय में पूर्व छात्र मिलन समारोह का किया आयोजन

ऐलनाबाद, 11 फरवरी (ब्यूरो) : सी.एम.आर.जे. राजकीय महाविद्यालय, मीठी सुरेरा में प्राचार्य डा. सज्जन कुमार की अध्यक्षता व एल्युमिनी मीट के इंचार्ज डा. जोगिंद्र सिंह के संयोजन में पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न वर्षों के पचास से अधिक पूर्व विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य महोदय के स्वागत संबोधन से हुआ। प्राचार्य महोदय ने पूर्व छात्रों का महाविद्यालय परिसर में पुन: आगमन पर हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान उसके पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों से होती है। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र महाविद्यालय की अमूल्य धरोहर हैं और उनका मार्गदर्शन वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। इस अवसर पर पूर्व विद्यार्थियों ने अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियों को साझा किया तथा महाविद्यालय में बिताए गए समय को याद करते हुए भावुक क्षणों को पुन:जीवंत किया । पूर्व छात्रों और वर्तमान विद्यार्थियों के बीच संवाद सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें करियर विकल्प, रोजगार के अवसर, व्यक्तित्व विकास और समय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और पूर्व छात्रों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। इंचार्ज ने कहा कि यह पूर्व छात्र मिलन समारोह महाविद्यालय के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में यादगार रहेगा और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर भविष्य में पूर्व छात्र संघ की गतिविधियों को संगठित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से एक कार्यकारिणी समिति का गठन भी किया गया। जिसमें ज्ञान सिंह को प्रधान सुमित्रा को उपप्रधान, यादविन्द्र सिंह को महासचिव शेर सिंह व संदीप को कोषाध्यक्ष, खुशबू को सह सचिव, रजनीश को संगठन सचिव, विक्रम एवं सोनू को मीडिया प्रभारी और ममता, पूजा, अमृतपाल कौर,

सचिन, विजय कुमार, रमनदीप, सतपाल को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुना गया। मंच संचालन प्रो सावन ने किया किया। एक अन्य कार्यक्रम में प्राचार्य डा सज्जन कुमार की अध्यक्षता प्रो. राजवीर के संयोजन में चल रहे एनएसएस इकाई के सात दिवसीय शिविर के थीम यूथ फ़ॉर माई भारत और यूथ फॉर सतत् विकास के अन्तर्गत पाँचवें दिन की शुरुआत सभी के सरस्वती वंदना तथा लक्ष्य गीत से तथा योग कक्षा के साथ की गई। दूसरे सत्र जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में अधिवक्ता परवीन शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने मौलिक अधिकार एवं मानव अधिकार विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, शिक्षा एवं अभिव्यक्ति का अधिकार प्राप्त है। साथ ही मानव अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का पालन करना भी उतना ही आवश्यक है। व्याख्यान के पश्चात स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से सिरसा रोड पर प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के माध्यम से आमजन को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में पारंपरिक खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें थ्री लेग रेस सहित अन्य पुराने खेलों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर खेल भावना का परिचय दिया।

52वां विशाल वार्षिक महोत्सव श्रद्धा व भक्ति भाव से जारी

ऐलनाबाद, 11 फरवरी (ब्यूरो) : शहर में स्थित प्राचीन श्री श्याम मंदिर ऐलनाबाद में श्री श्याम बाबा खाटू वाले का 52वां विशाल वार्षिक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आस्था के साथ निरंतर जारी है। महोत्सव के अंतर्गत बीती रात्रि विशाल जागरण का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के भजनों पर भाव-विभोर होकर पूरी रात जागकर भक्ति रस का आनंद लिया। मंदिर परिसर जय श्री श्याम के जयघोष से गूंजता रहा।जागरण के दौरान भजन गायकों ने श्याम तेरी

चौखट पे आकर सुकून मिल गया,सांवरा जब बुलाएगा हम खाटू जाएंगे,मेरे सांवरिया सरकार, तू ही मेरा आधार,दर तेरे आके बाबा सब दुख भूल गए जैसे भावपूर्ण भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु देर रात तक बाबा श्याम की भक्ति में लीन नजर आए।आज प्रात: प्राचीन श्री श्याम मंदिर में अखंड ज्योति पाठ विधिवत रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर विशाखापट्टनम से पधारे नरेश शर्मा ने विधि-विधान से अखंड ज्योति पाठ संपन्न करवाया। पाठ के दौरान भक्तों ने दीप प्रज्वलित कर आहुतियां अर्पित कीं तथा परिवार व समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। अखंड ज्योति पाठ के समापन पर विशेष आरती की गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।कार्यक्रम में कमेटी ट्रस्ट के प्रधान रतनलाल गिदड़ा, उप प्रधान पवन कुमार कानसरिया तथा श्री श्याम कला मंडल के प्रधान मांगीलाल गिदड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।आयोजन समिति ने बताया कि महोत्सव के अंतर्गत आगे भी धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी रहेगी तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समिति ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की।

कार्यशाला में रोजगार गारंटी 100 से बढ़ाकर 125 दिन करने पर चर्चा

तरावड़ी, 11 फरवरी (छाया शर्मा) : अग्रवाल धर्मशाला में भाजपा मंडल द्वारा जन-जागरण अभियान एवं केंद्रीय बजट के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित हुई। जिसमें कार्यकर्ताओं को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और बजट प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर भाजपा के करनाल जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने विशेष तौर पर शिरकत करते हुए आमजन के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्त्ताओं, समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार हर वर्ग के कल्याण को ध्यान में रखकर ही बजट पेश करती है। कार्यशाला के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष स्वामी मुकेश भारती ने बताया कि यह योजना विशेष रूप से किसानों और मजदूरों के हितों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। पहले जहां रोजगार की गारंटी 100 दिनों की थी, उसे बढ़ाकर अब 125 दिन कर दिया गया है, जिससे जरूरतमंद परिवारों को अधिक सहारा मिलेगा।

उत्तर रेलवे

अंबाला मंडल में स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फ़ैसिलिटेटर्स की नियुक्ति के लिए विज्ञापन सूचना"

No. NR-UMBOCOML/1/2025(284713) **Date:- .02.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तरी रेलवे, अंबाला, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनकी तरफ़ से, आम जनता से सीलबंद आवेदन आमंत्रित करते हैं, ताकि अंबाला मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फैसिलिटेटर्स की नियुक्ति की जा सके।

फैसिलिटेटर के रूप में कार्य करने की अनुमति दिनांक 31.03.2026 तक वैध होगी। इसके बाद मुख्यालय (HQ) के दिशा-निर्देशों के अधीन अवधि बढ़ाई जा सकती है।

अंबाला मंडल में ATVM के स्थानों की सूची निम्नानुसार है

क्र. सं.	स्टेशन का नाम	स्टेशन कोड	स्थापित ATVM की संख्या	नियुक्त किए जाने वाले फैसिलिटेटर्स की संख्या	स्टेशन श्रेणी	सुरक्षा जमा
1	Ambala Cantt	UMB	2	04	NSG-2	50,000/-
2	Saharanpur	SRE	3	06	NSG-3	25,000/-
3	Yamuna Nagar Jagadhari	YJUD	1	03	NSG-3	
4	Barara	RAA	1	03	NSG-5	
5	Ambala City	UBC	1	03	NSG-5	
6	Rajpura	RPJ	1	02	NSG-4	
7	Sirhind	SIR	2	06	NSG-4	
8	Khanna	KNN	1	03	NSG-5	

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुबंध अवधि	निविदा प्रपत्र की लागत	निविदा जमा करने की तिथि
1	**कार्य की प्रकृतिः** अंबाला मंडल के 08 स्टेशनों पर स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनों (ATVM) के माध्यम से अनारक्षित टिकट जारी करने हेतु फैसिलिटेटर्स को आवंटन के आधार पर 31.03.2026 तक नियुक्त करने के लिए निविदा।	31.03.2026 तक (मुख्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार आगे बढ़ाई जा सकती है)	निःशुल्क	02.03.2026 को 10:00 बजे से 14:00 बजे तक

महत्वपूर्ण तिथियाँ

निविदा जारी होने की तिथिः	10.02.2026
निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथि एवं समय	From 10:00 Hrs to 14:00 hrs of 02.03.26
निविदा बॉक्स बंद होने की तिथि एवं समय	At 15:00 hrs. of 02.03.2026
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	At 15:30 hrs of 02.03.2026
कार्यालय का पता एवं निविदा दस्तावेज उपलब्धता	शर्तों एवं नियमों सहित आवेदन प्रपत्र उत्तरी रेलवे की वेबसाइट **www.nr.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है और निर्धारित समय 13:00 बजे से डाउनलोड किया जा सकता है।

Sr. Division Commercial Manager
Northern Railway, Ambala

458/26 ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

श्री कृष्णा मंदिर में श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन

करनाल, 11 फरवरी (सोनी दुआ) : महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में काछवा के श्री कृष्णा मंदिर में श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा व्यास दीपमाला जी कथा के माध्यम से शिव महिमा का बखान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण कथा के श्रवण मात्र से मनुष्य के अंदर भक्ति, ज्ञान और वैराग्य जागृत हो जाता है।

यह कथा मनुष्य को सभी पापों से मुक्ति और लौकिक सुख देकर अंत में शिवलोक में स्थान देकर मोक्ष प्रदान करती है। उन्होंने कहा, महादेव को सत्य और निष्ठा प्रिय है। जो भक्त अपने अहंकार का त्याग कर सरल और सहज जीवन जीता है, भोलेनाथ उस पर शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण हमें सिखाता है कि सरलता, भक्ति और धर्म से जीवन में सच्चा कल्याण संभव है। हमें अपना जीवन शिव को समर्पित कर देना चाहिए। हमेशा घर से निकलते समय मंगलाचरण करना चाहिए क्योंकि यह आपके सभी कामों को सफल करता है। कथा के दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और श्री कृष्णा मंदिर प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

कष्ट निवारण समिति की बैठक आज

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा करेंगे अध्यक्षता : डीसी

करनाल, 11 फरवरी (यशपाल कादियान) : डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक का आयोजन 12 फरवरी को दोपहर 2 बजे पंचायत भवन में किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा करेंगे।

डीसी ने बताया कि जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में 6 पुराने व 6 नए मामले रखे जाएंगे, जिनमें पुलिस, पंचायत, बिजली विभाग,प्रदूषण, कृषि, श्रम विभाग, शिक्षा, शहरी विकास प्राधिकरण, नगर निगम, बैंकर्स से संबंधित मामले शामिल हैं। इस बैठक में कष्ट निवारण समिति के मनोनीत सदस्य तथा सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित होंगे।

यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन करेगी रक्तदान शिविर का आयोजन

लाडवा, 11 फरवरी (राम गोपाल) : यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा शनिवार को महावीर दल अस्पताल लाडवा में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर पुलवामा हमले में वीरगति को प्राप्त शहीदों की पावन स्मृति को समर्पित रहेगा। इस रक्तदान शिविर की जानकारी देते हुए संगठन के अध्यक्ष चौ.जोगध्यान ने बताया कि एल.एन.जे.पी. हॉस्पिटल, कुरुक्षेत्र की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम रक्त संग्रह के लिए विशेष रूप से उपस्थित रहेगी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारा संगठन समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन करता रहता है।

इस रक्तदान शिविर का उद्देश्य पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करना है। देश के लिए जान न्योछावर करने वाले शहीदों का ऋण कभी भी नहीं चुकाया जा सकता है। उनकी पुण्य स्मृति में ही इस रक्तदान शिवर का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहाकि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है और इससे अनेक जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सकता है। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र एवं अल्पाहार की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर हरनेक सिंह नेकी, राय साहब, सन्नी कुमार काला, अभी, मनदीप सिंह नीलू ,पुनीत ढींगरा, विकास, ऋतिक मगो, टोनी, बंटी, दिशू रहेजा, राशिद खान और नितिन सैनी आदि युवा उपस्थित रहे।

बेरोजगारी एवं नशे की समस्या से निपटने के लिए केन्द्रीय पैकेज की जरुरत-राणा गुरजीत

जालंधर 11 फरवरी (निस) कपूरथला से कांग्रेस विधायक राणा गुरजीत सिंह ने आज कहा कि सत्ता संभाले चार वर्ष बीत जाने के बावजूद पंजाब सरकार नशे की गंभीर समस्या से निपटने में बुरी तरह विफल रही है, जो लगातार अपराध को बढ़ावा दे रही है और पंजाब के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है।

मीडिया से बातचीत करते हुए राणा गुरजीत सिंह ने कहा कि पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगभग 550 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है, जो एक दुश्मन देश है। उन्होंने बताया कि बढ़ती घुसपैठ को देखते हुए वर्ष 2021 में पंजाब के भीतर केंद्रीय सुरक्षा बलों का कार्यक्षेत्र 15 किलोमीटर से बढ़ाकर 50 किलोमीटर कर दिया गया था। उन्होंने कहा, इससे स्पष्ट होता है कि खतरे के बारे में सभी को जानकारी है ।उन्होंने खुलासा किया कि बीएसएफ द्वारा अब तक 367 क्विंटल हेरोइन बरामद की गई है और 272 ड्रोन पकड़े गए हैं। यह मात्रा उस वास्तविक नशे का केवल एक छोटा सा हिस्सा—लगभग 2 से 10 प्रतिशत—ही हो सकती है, जो पंजाब में दाखलि हो रहा है। पंजाब पुलिस स्वयं लगभग दो टन हेरोइन की बरामदगी का दावा करती है। सवाल यह है कि शेष बिना पकड़ी गई खेप कहाँ गई? उन्होंने सवाल उठाया ।राणा गुरजीत सिंह ने एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स द्वारा 620 हथियारों की बरामदगी का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा, यदि इतनी बड़ी संख्या में हथियार पकड़े गए हैं, तो और कितने हथियार अवैध रूप से घूम रहे होंगे?पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आज फिरोज़पुर में की जा रही पदयात्रा का हम स्वागत करते हैं, लेकिन आज पंजाब की सबसे बड़ी आवश्यकता रोज़गार है। मैं राज्यपाल साहिब से अपील करता हूँ कि वे पंजाब और केंद्र सरकार के बीच सेतु बनते हुए पंजाब के लिए विशेष आर्थिक एवं औद्योगिक पैकेज दिलाने में मदद करें।

राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी गंभीर चिंताएँ उठाते हुए उन्होंने पूछा, नशे और हथियार पंजाब के रास्ते ही क्यों आ रहे हैं? ये राजस्थान या गुजरात के रास्ते क्यों नहीं आते? यदि पाकिस्तान हथियार भेजना ही चाहता है, तो समुद्री मार्गों या शिपिंग चैनलों के माध्यम से क्यों नहीं भेजता? यह चयनात्मक निशानेबंदी गंभीर सवाल खड़े करती है और जवाबदेही तय होनी चाहिए, उन्होंने कहा ।दोनों सरकारों को जिम्मेदार ठहराते हुए राणा गुरजीत सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती, लेकिन केंद्र सरकार को भी इस मामले से बरी नहीं किया जा सकता।

आज केवल राज्यपाल की पदयात्रा समाधान नहीं है। ऐसे प्रयास शायद 15 वर्ष पहले प्रभावी होते। आज पंजाब को प्रतीकात्मक कदमों की नहीं, बल्कि ठोस नीतिगत फैसलों की आवश्यकता है, उन्होंने जोर दिया ।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को 50 किलोमीटर के सीमा पट्टी क्षेत्र की सीधी जिम्मेदारी संभालनी चाहिए, जहाँ से लगातार नशे की खेपें दाखिल हो रही हैं। पंजाब की आर्थिक अलगाव स्थिति को उजागर करते हुए राणा गुरजीत सिंह ने कहा कि राज्य देश के अंतिम छोर पर स्थित है, जिसकी सीमाएँ सील हैं और कोई सीमा-पार व्यापार नहीं है। पंजाब निकटतम बंदरगाह से लगभग 2,000 किलोमीटर दूर है। यदि हम वास्तव में नशे को समाप्त करना चाहते हैं, तो रोज़गार सृजन करना होगा। इसके लिए औद्योगिक विकास आवश्यक है और पंजाब को विशेष प्रोत्साहन तथा औद्योगिक पैकेज मिलना चाहिए, उन्होंने कहा ।गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ के अवसर पर पिछले वर्ष आनंदपुर साहिब में हुई विशेष विधानसभा सत्र का उल्लेख करते हुए उस समय केंद्र सरकार से कोई ठोस मांग नहीं रखी गई।

श्री राम हनुमान रामलीला समिति द्वारा भोले की बारात को लेकर 4 दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का आज से होगा शुभारंभ

लाडवा, 11 फरवरी (राम गोपाल) : लाडवा में श्री राम हनुमान रामलीला समिति की ओर से भोले की बारात को लेकर चार दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ आज दिन गुरुवार से हो जाएगा। समिति के प्रधान राजेश वर्मा ने बताया कि समिति द्वारा 12 जनवरी से भगवान भोलेनाथ की प्रभातफेरी का आयोजन किया जा रहा था, जिसे आज एक माह पूरा हो गया है। इसी कड़ी में 12 फरवरी से भोले की बारात से जुड़े कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार शाम 5 बजे शहर के ब्रह्मा जी मंदिर में भगवान भोलेनाथ की बारात को लेकर भस्म श्रृंगार किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष अंकुश गोयल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि शुक्रवार को माता गौरा की हल्दी की रस्म सत्यम एकलव्य में रोटरी क्लब के सचिव व श्री अग्रवाल सभा के पूर्व प्रधान दुर्गेश गोयल के निवास स्थान पर अदा की जाएगी, जिसमें दुर्गेश गोयल मुख्य यजमान की भूमिका निभाएंगे। वहीं माता गौरा की मेहंदी की रस्म वीआईपी कॉलोनी स्थित लाल जमुना दास अग्रवाल पार्क में मनाई जाएगी। जिसमें कृष्णा गोयल फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा गोयल मुख्य अतिथि होंगी। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को शहर के नगर खेड़ा से भगवान भोलेनाथ की एक भव्य बारात निकाली जाएगी, जिसे लाडवा नगर पालिका की प्रधान साक्षी खुराना शाम 3 बजे भगवा झंडा दिखाकर रवाना करेंगी। यह बारात पूरे शहर में भ्रमण करने के बाद हिंदू हाई स्कूल में संपन्न होगी। हिंदू हाई स्कूल में शाम लगभग 7 बजे रिबन काटकर भोले की बारात का स्वागत किया जाएगा, जिसमें समाजसेवी सचिन गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही हिंदू हाई स्कूल में 12 ज्योतिर्लिंग स्वरूप शिवलिंगों का जलाभिषेक शहर के 12 प्रमुख समाजसेवियों द्वारा कराया जाएगा। भोले की बारात में उज्जैन से आए कलाकारों द्वारा विशेष प्रस्तुति दी जाएगी, वहीं चंडीगढ़ और दिल्ली से आए कलाकारों द्वारा आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। समिति की ओर से बैंड प्रदर्शन और रंगीन आतिशबाजी की भी भव्य व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में शहर की सभी धार्मिक और सामाजिक संस्थाएं बढ़-चढ़कर सहयोग कर रही हैं, जिससे पूरा शहर शिवमय वातावरण में डूबा हुआ है। इस मौके पर घनश्याम काम्बोज, नरेश गर्ग, हेमंत सैनी, विपिन शर्मा, राजेश अरोड़ा, रणित काम्बोज आदि मौजूद थे।

स्व. चौधरी ईश्वर सिंह की 28वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा, सेवा और संकल्प का भव्य आयोजन

निसिंग, 11 फरवरी (जोगिंद्र सिंह) : बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज कौल के में महाविद्यालय के संस्थापक, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं चार बार विधायक रहे स्वर्गीय चौधरी ईश्वर सिंह की 28वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और सेवा भाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में दूर-दराज़ से आए गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों एवं क्षेत्रवासियों ने भारी संख्या में भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का नेतृत्व उनके सुपुत्र, प्रबंधन समिति के प्रधान, पूर्व विधायक हल्का पूंडरी तथा समस्त हरियाणा के 97 सहायता प्राप्त महाविद्यालयों की वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह ने किया। सर्वप्रथम उनकी समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा प्रतिमा के समक्ष नतमस्तक होकर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात रक्तदान शिविर का विधिवत उद्घाटन चौधरी तेजवीर सिंह द्वारा किया गया, जिसमें युवाओं एवं क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाजसेवा का संदेश दिया। इसके उपरांत हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने आहुति डालकर स्वर्गीय चौधरी ईश्वर सिंह के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने उनके जीवन के विविध आयामों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें नारी शिक्षा का प्रबल समर्थक, गरीबों का मसीहा और उच्च कोटि का जननेता बताया। उन्होंने शिक्षा, समाज सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में जो अमिट छाप छोड़ी, वह आज भी प्रेरणास्रोत है। समस्त आयोजन का संयोजन एवं संचालन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के नेतृत्व में अत्यंत सुव्यवस्थित एवं गरिमामय ढंग से सम्पन्न हुआ। अंत में उपस्थित सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं ने जलपान ग्रहण किया। यह श्रद्धांजलि समारोह केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को आत्मसात कर समाज सेवा के पथ पर अग्रसर रहने का सामूहिक संकल्प भी था। इस अवसर पर गांव कौल के सरपंच प्रतिनिधि नरेश कुमार, मास्टर जसवीर खजांची रोड महासभा, चमेल सिंह बरसाना पूर्व अध्यक्ष, बलवीर ठयोंठा, रामपाल पंच, करण सिंह महासचिव, कंवर सिंह उप प्रधान, अनिल नंबरदार कोषाध्यक्ष, ईश्वर बट्टी, मेहर सिंह मास्टर, पृथ्वी सिंह, राजबीर नंबरदार, केहर सिंह कोच, राजकुमार डेश और टेका देरडू आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से करें : प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी

स्वच्छता एवं नागरिक जागरूकता को जन आंदोलन बनाने की जरूरत : रेनूबाला गुप्ता, युवाओं को समाज हित में सक्रिय रहने की आवश्यकता : कविंद्र राणा

करनाल, 11 फरवरी (संदीप रोहिला) : डीएवी पीजी कॉलेज में चल रहे सात दिवसीय दिन-रात शिविर के चौथे दिन नगर निगम मेयर रेनू बाला गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में पहुंचने पर उनका चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति एंव कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी, एनएसएस अधिकारी डॉ. पूनम वर्मा, रेडक्रॉस संयोजक डॉ. बलराम शर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। सुबह के सत्र में मुख्य अतिथि रेनूबाला गुप्ता और कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के कुलपति प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने की। रेनू बाला गुप्ता ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण एवं शहरी विकास के महत्व को रेखांकित कर युवाओं से स्वच्छता एवं नागरिक जागरूकता को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए हर व्यक्ति की जनभागीदारी होना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एनएसएस जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने और गढ़ने का काम करती हैं। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि हमें अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन बढ़चढ़कर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी देश का युवा उसकी रीढ़ होता है जो अपने देश की दिशा और दशा बदलने का माद्दा रखता है। उन्होंने कहा कि हर युवा संस्कारवान हो अपनी संस्कृति की चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कॉलेज प्राचार्य प्रो. डॉ. रामपाल सैनी ने कहा कि हमें अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से करना चाहिए। स्वच्छता एवं जागरूकता किसी भी सशक्त समाज की बुनियाद होती है। स्वच्छ वातावरण न केवल हमारे स्वास्थ्य को सुरक्षित रखता है, बल्कि यह नागरिक जीवन में अनुशासन, जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। यदि हम अपने घर, विद्यालय, कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संकल्प लें, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन स्वत: दिखाई देगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। प्रो. सैनी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की पहचान उसकी संस्कृति और संस्कारों से होती है। युवा वर्ग देश की रीढ़ होता है और वही देश की दिशा एवं दशा तय करता है। इसलिए युवाओं में अनुशासन, नैतिकता, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति की भावना का विकास होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक मूल्यों को भी अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि एनएसएस जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में टीम वर्क, आत्मविश्वास और समाज के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाते हैं। जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर ने अपने विस्तृत संबोधन में हालिया बजट के विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए शिक्षा, कौशल विकास, युवाओं के रोजगार, डिजिटल प्रगति एवं आत्मनिर्भर भारत से जुड़े प्रावधानों को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। उन्होंने कहा कि सरकार हर व्यक्ति के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शाम के सत्र में विशिष्ट अतिथि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के ओएसडी कविंद्र राणा ने प्रशासनिक समन्वय, जन समस्याओं के समाधान एंव सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और युवाओं को समाज हित में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। जिला उच्च शिक्षा अधिकारी अनीता जून ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, अनुशासन एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल देते हुए नवाचार एवं सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा दी। वहीं डॉ. टी. आर. मुद्गिल ने तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान एवं कौशल एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूनम वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए शिविर की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक संवेदनशीलता को विकसित करने का सशक्त माध्यम है। इस मौके पर रेड क्रॉस के संयोजक डॉ. बलराम शर्मा डॉ. प्रतिभा, डॉ. रेखा, डॉ. रमा, डॉ. टीना, डॉ. मीनू, डॉ. मनीषा, वीरेंद्र, दीपक एवं अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

बदलते मौसम में सेहत का रखें विशेष ध्यान, लापरवाही हो सकती है हानिकारक : डा. नितिन

शाहाबाद मारकंडा, 11 फरवरी (रूबी) : लाईफ केयर अस्पताल के संचालक डा. नितिन शर्मा ने सेहत का ध्यान रखने बारे जानकारी देते हुए बताया कि बदलते मौसम में अकसर अनेक प्रकार की बीमारियां होने का खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि मौसम में हल्का-फुल्का बदलाव आते ही सेहत के साथ खिलवाड़ करना शुरू कर देते है जो हानिकारक हो सकता है। बदलते मौसम में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए क्योंकि छोटी-छोटी लापरवाही बड़ी बीमारियों का कारण बन सकती है। इसीलिए सेहत के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। डा. नितिन शर्मा ने लोगों को जरूरी स्वास्थ्य सुझाव दिए। डा. शर्मा ने बताया कि मौसम परिवर्तन के दौरान शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ता है। उन्होंने कहा कि इस समय संतुलित आहार लेना बेहद जरूरी है। हरी सब्जियां, मौसमी फल, विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थ और पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुबह-श्याम हल्की ठंड होने के कारण बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ठंड से बचाव के लिए हल्के गर्म कपड़े पहनें और अचानक गर्म-ठंडे वातावरण में जाने से बचें। साथ ही पर्याप्त नींद लेना और नियमित व्यायाम करना भी जरूरी है। डा. शर्मा ने कहा कि ज्यादातर बीमारियां गंदगी के कारण फैलती है इसीलिए सेहत को स्वस्थ रखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी वातावरण को स्वच्छ रखना चाहिए। हाथों को बार-बार धोना, स्वच्छ भोजन खाना चाहिए। यदि बुखार, खांसी या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। डा. नितिन ने कहा कि थोड़ी-सी सावधानी और सही दिनचर्या अपनाकर बदलते मौसम में खुद को और अपने परिवार को स्वस्थ रखा जा सकता है।

संग्रहालय, ऐतिहासिक स्थल, विज्ञान केंद्र,प्राकृतिक स्थलों के भ्रमण से बच्चों का बढ़ता ज्ञान : विनोद कौशिक

शाहाबाद मारकंडा, 11 फरवरी (रूबी) : शाहाबाद ब्लॉक के राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कतलाहरी, शाहाबाद नंबर-2, राजकीय कन्या उच्च विद्यालय शाहाबाद, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चढूनी जाटान, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शाहाबाद, शरीफगढ़, त्यौड़ा स्कूलों के विद्यार्थियों ने महाभारत अनुभव केंद्र ज्योतिसर सहित अनेक स्थानों का भ्रमण किया। यह जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक ने बताया कि यह भ्रमण शिक्षा विभाग द्वारा करवाया जा रहा है। जिसमें कक्षा 6 से 12 तक के बच्चें भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सभी ब्लॉकों के स्कूलों से विद्यार्थी इस भ्रमण हेतु कुरूक्षेत्र आ रहे है। इसी कड़ी में शाहाबाद ब्लॉक के अनेक स्कूलों के विद्यार्थी भी भ्रमण हेतु कुरुक्षेत्र आए है। यह कार्यक्रम 18 फरवरी तक चलेगा। कौशिक ने बताया कि विभाग द्वारा विद्यार्थियों के भोजन,आने-जाने की सुविधा सरकार द्वारा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा विद्यार्थियों के हितों व शिक्षा के स्तर को और अधिक ऊंचा करने के उद्देश्य से लगातार गतिविधियां करवाई जाती है। ताकि विद्यार्थियों को किताबों से हटकर बाहरी ज्ञान भी प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इस तरह के भ्रमण से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं होती, बल्कि अनुभवों से भी बच्चों का बौद्धिक और मानसिक विकास होता है। इसी उद्देश्य से स्कूलों द्वारा बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाया जाता है।

जिससे उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ जीवन के व्यावहारिक पहलुओं को समझने का अवसर मिलता है। शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों को इतिहास, विज्ञान, संस्कृति और प्रकृति को नजदीक से देखने-समझने का अवसर मिलता है। विनोद कौशिक ने कहा कि संग्रहालय, ऐतिहासिक स्थल, विज्ञान केंद्र, औद्योगिक इकाइयों और प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण बच्चों की जिज्ञासा को बढ़ाता है और उनके ज्ञान में वास्तविकता का समावेश करता है। भ्रमण के दौरान बच्चे अनुशासन, समय प्रबंधन और टीम वर्क सीखते हैं। साथ ही आपसी सहयोग, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक व्यवहार का भी विकास होता है। नए स्थानों पर जाकर बच्चे आत्मनिर्भर बनते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है। कौशिक ने कहा कि मानसिक तनाव से राहत और मनोरंजन भी भ्रमण का अहम लाभ है। विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और अधिक मजबूत होती है।

शैक्षणिक भ्रमण से न केवल विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ता है, बल्कि वह जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने की दिशा में भी आगे बढ़ते हैं।

आंगनवाड़ी केंद्र बतौड़ में मेगा अभिभावक बैठक आयोजित, प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और पोषण पर दिया गया जोर

बरवाला, 11 फरवरी (प्रवीन कुमार) : गांव बतौड़ के आंगनवाड़ी केंद्र में मंगलवार को छह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मेगा अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों के समग्र विकास के प्रति जागरूक करना था। बैठक के दौरान अभिभावकों को खेल आधारित शिक्षा, बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास तथा घर पर अनुकूल शिक्षण वातावरण तैयार करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बच्चों की बौद्धिक क्षमता और भाषा कौशल को विकसित करने वाली विभिन्न गतिविधियों पर भी चर्चा की गई। उपस्थित महिलाओं को अपने बच्चों को शिक्षित करने और नियमित रूप से आंगनवाड़ी केंद्र भेजने की शपथ दिलाई गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुशील राणा, शशिबाला और नसीब कौर ने सरकार द्वारा विकसित नई शैक्षणिक पुस्तकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान पोषण पखवाड़ा माह के अंतर्गत बच्चों में कुपोषण दूर करने और पौष्टिक आहार के महत्व के विषय में भी अभिभावकों को जागरूक किया गया। माता-पिता को यह भी बताया गया कि वे घर पर खेल-खेल में बच्चों को किस प्रकार शिक्षित कर सकते हैं।

इस पहल का उद्देश्य बच्चों को औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करना और उनके प्रारंभिक वर्षों के विकास को सुदृढ़ बनाना है। आंगनवाड़ी केंद्र में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को समर्पित एक विशेष कोना बनाकर बच्चों की गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया। अभिभावकों को अपने तीन से छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को नियमित रूप से आंगनवाड़ी भेजने तथा उनके विकास पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। बैठक में बच्चों में कुपोषण की समस्या को दूर करने के लिए आवश्यक पोषण संबंधी जानकारी भी साझा की गई। इस अवसर पर परमजीत, शिवानी, पिंकी, मनप्रीत, वर्षा, राधा सहित अन्य अभिभावक उपस्थित रहे।

बजट सत्र से विधायकों की मेज पर दिखेंगे टैबलेट

भोपाल, 11 फरवरी (निस) : मध्य प्रदेश विधानसभा के कामकाज को डिजिटल बनाने की दिशा में नया कदम उठाया जा रहा है। आगामी बजट सत्र से विधायकों की मेज पर टैबलेट रखे जाएंगे। यह व्यवस्था राष्ट्रीय ई-विधान एप्लिकेशन के तहत लागू की जा रही है। शुरुआत में विधायकों को टैबलेट के जरिए बजट से जुड़े दस्तावेज देखने की सुविधा मिलेगी। हालांकि, टैबलेट का पूरा उपयोग बाद के सत्रों में किया जाएगा, क्योंकि अधिकांश विधायकों को इसके इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षण दिया जाना है। अधिकारियों ने बताया कि विधायकों की मेज पर टैबलेट लगाने के लिए बिजली कनेक्शन का काम पूरा हो चुका है और बजट सत्र से पहले सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। बता दें, कि देश के कई राज्यों में पहले ही यह व्यवस्था लागू हो चुकी है। इससे कागज की खपत कम होगी और विधानसभा का कामकाज तेज, आसान और पर्यावरण के अनुकूल बनेगा।

विधानसभा अधिकारियों के अनुसार, बजट सत्र के बाद विधायकों को टैबलेट चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद विधानसभा के कामकाज में टैबलेट का व्यापक उपयोग किया जाएगा। टैबलेट में अधिकतर सामग्री हिंदी भाषा में होगी, हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद की सुविधा मिलेगी। सवालों और कार्यसूची को खोजने का विकल्प होगा। साथ ही माइक्रोफोन की मदद से बोलकर सर्च किया जा सकेगा। पासवर्ड से कहीं से भी नोवा सॉफ्टवेयर एक्सेस किया जा सकेगा।

आध्यात्मिक आयोजनों से होती है भाईचारे की भावना मजबूत : राजीव नारंग

तरावड़ी, 11 फरवरी (छाया शर्मा) : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय तरावड़ी सेवा केन्द्र द्वारा महाशिवरात्रि के पावन उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने भाग लेकर आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण किया। कार्यक्रम में मार्केट कमेटी तरावड़ी के उपप्रधान एवं पंजाबी सभा तरावड़ी के प्रधान राजीव नारंग ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर शोभायात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा का नेतृत्व सेवा केन्द्र संचालिका बीके सुदेश बहन ने किया। यात्रा के दौरान भगवान शिव की आकर्षक और सजीव झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। श्रद्धालु शिव भक्ति के भजनों और नारों के साथ आगे बढ़ते रहे।

शोभायात्रा सेवा केन्द्र से प्रारंभ होकर रेलवे रोड, नगरपालिका रोड, गुरुद्वारा रोड, मेन बाजार, करनाली गेट और सौंकड़ा रोड से होती हुई पुन: सेवा केन्द्र पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजीव नारंग ने कहा कि महाशिवरात्रि केवल पर्व नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आत्मशुद्धि का संदेश देने वाला दिवस है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को प्रतिदिन सुबह उठकर परमात्मा का धन्यवाद करना चाहिए और अपने जीवन में सकारात्मक सोच व अच्छे कर्मों को अपनाना चाहिए। ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में नैतिकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है। सेवा केन्द्र पर पहुंचने पर अतिथियों और श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सुरेश सिंगला, नरेश शर्मा, राकेश हंस, रमेश नारंग, राज, इंदु बंसल, सत्या सिंगला सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दुबई में गोल्ड मेडल जीतकर लौटी प्रीति राणा
गांव में फूटा जश्न : बेटी ने दुनिया के मंच पर बजाया गोंदर का डंका

निसिंग, 11 फरवरी (जोगिंद्र सिंह) : दुबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग और बेंच प्रेस प्रतियोगिता में गांव गोंदर की बेटी प्रिती राणा ने गोल्ड मेडल जीतकर न सिर्फ भारत, बल्कि पूरे इलाके का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। जैसे ही प्रिती गांव पहुंचीं, पूरे गांव में मानो उत्सव फूट पड़ा। ढोल-नगाड़ों की गूंज, फूलों की वर्षा और नारों के बीच चैंपियन बेटी का जोरदार स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने साफ कहा—यह जीत सिर्फ प्रिती की नहीं, पूरे गांव की बेटियों की जीत है।

कठिन हालात, सीमित संसाधन और लगातार संघर्ष के बावजूद प्रिती राणा ने यह साबित कर दिया कि गांव की बेटी जब ठान ले, तो वह दुबई ही नहीं, पूरी दुनिया को झुका सकती है।

भाजपा नेता डॉ सतीश उर्फ जुगाड सिंह ने कहा कि आज प्रिती राणा गांव की पहचान नहीं, गांव का गौरव बन चुकी हैं। प्रिती राणा ने भावुक होकर कहा कि यह गोल्ड मेडल मेरे गांव, मेरे परिवार और हर उस बेटी के नाम है जो आगे बढ़ना चाहती है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा—मेहनत, अनुशासन और हौसला हो, तो कोई भी मंच दूर नहीं होता।

हरियाणा पीडब्ल्यूडी कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न-नई कार्यकारिणी का गठन

ऐलनाबाद, 11 फरवरी (ब्यूरो) : जन स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग यूनियन कार्यालय में हरियाणा पीडब्ल्यूडी कर्मचारी संघ के द्विवार्षिक चुनाव अत्यंत उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सर्वसम्मति से संपन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक परंपराओं के तहत आयोजित की गई, जिसमें शाखा के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सर्वसम्मति से गठित नई कार्यकारिणी में हरिकिशन कुतिनिया को प्रधान, प्रताप सिंह कंबोज को सचिव, राजेंद्र प्रसाद को कोषाध्यक्ष, तेलूराम को चेयरमैन, मांगेराम को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त देवीलाल लेखराम फीटर, रिंकु सरबटा एवं धर्मपाल फीटर को उपप्रधान, संतलाल सैन को सलाहकार, संदीप को प्रेस प्रवक्ता, ताराचंद को संगठन सचिव तथा अभिषेक को कार्यालय सचिव चुना गया। चुनाव प्रक्रिया पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित श्री कृष्ण लाल गुर्जर (प्रदेश अध्यक्ष) एवं श्री गुरदीप सिंह (जिला सचिव) की देखरेख में शांतिपूर्वक संपन्न करवाई गई। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा उन्हें संगठन की मजबूती, कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया। नवनियुक्त प्रधान हरिकिशन कुतिनिया ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे कर्मचारियों के हितों की रक्षा, विभागीय समस्याओं के समाधान तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। अन्य पदाधिकारियों ने भी संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और कर्मचारियों की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर शाखा के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे और नवगठित कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

सावित्रीबाई सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बोर्ड परीक्षार्थियों हेतु हवन यज्ञ का आयोजन

बाबैन, 11 फरवरी (राजेश) : सावित्रीबाई सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बाबैन में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षार्थियों की सफलता, उज्ज्वल भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना को लेकर विद्यालय प्रांगण में विधिवत हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस पावन अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, प्रबंधक, समस्त शिक्षकगण तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। हवन यज्ञ के माध्यम से विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, एकाग्रता एवं मानसिक शांति का संदेश दिया गया। वैदिक मंत्रों की पावन ध्वनि से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। विद्यार्थियों ने पूर्ण श्रद्धा एवं आस्था के साथ यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर अपने उज्ज्वल भविष्य और उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम का संकल्प लिया। विद्यालय के प्रबंधक अक्षय सैनी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि लक्ष्य स्पष्ट रखें, समय का सदुपयोग करें और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ परीक्षा में सम्मिलित हों। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन की कामना की। प्रधानाचार्य खुशबू सैनी ने भी अपने संबोधन में विद्यार्थियों को तनावमुक्त रहकर परीक्षा देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय का स्टाफ सदैव विद्यार्थियों के साथ खड़ा है और उनकी सफलता ही विद्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धि है। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, पुनरावृत्ति एवं आत्मविश्वास बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। समस्त विद्यार्थियों ने सकारात्मक ऊर्जा एवं दृढ़ संकल्प के साथ परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का संकल्प लिया।

सौंकड़ा रोड बना हादसों का गढ़, टूटी सड़क और अंधेरे से एक महीने में दर्जनभर वाहन पलटे

रात दो बजे जीरी से भरा ट्राला पलटा, राइस मिल पहुंचने से पहले हुआ हादसा, व्यापारी और राइस मिलर्स ने उठाई चौड़ी व मजबूत सड़क व स्ट्रीट लाइट की मांग

तरावड़ी, 11 फरवरी (छाया शर्मा) : शहर के सौंकड़ा रोड पर पखाना क्षेत्र के पास सड़कों की बदहाल स्थिति अब गंभीर हादसों का कारण बनती जा रही है। सड़क किनारे हिस्सों के टूटे होने, जगह-जगह गहरे गड्ढों और रात के समय रोशनी की व्यवस्था न होने के चलते लगातार वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले एक महीने में यहां एक दर्जन से अधिक वाहन पलट चुके हैं। बीती रात करीब दो बजे एक बड़ा हादसा उस समय हुआ जब हांसी से जीरी की बोरियां लेकर आ रहा एक ट्राला तरावड़ी की एक राइस मिल में पहुंचने से पहले ही असंतुलित होकर पलट गया। गनीमत रही कि चालक की जान बच गई, लेकिन वाहन और माल को नुकसान पहुंचा। आसपास के लोगों का कहना है कि यदि सड़क की हालत समय रहते नहीं सुधारी गई तो भविष्य में बड़ा हादसा भी हो सकता है। क्षेत्र के राइस मिलर्स और व्यापारियों ने प्रशासन से कई बार सौंकड़ा रोड, लल्याणी रोड और नड़ाना रोड की मरम्मत, मजबूतीकरण और चौड़ीकरण की मांग उठाई है। उनका कहना है कि इन मार्गों से भारी वाहनों की आवाजाही लगातार रहती है, लेकिन सुविधाएं न के बराबर हैं। विशेष रूप से सौंकड़ा रोड पर रात के समय स्ट्रीट लाइट न होने से जोखिम और बढ़ जाता है। स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन से जल्द सर्वे कराकर सड़क की मरम्मत, किनारों की मजबूती और स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की है, ताकि लगातार हो रहे हादसों पर रोक लग सके और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

करनाल सहकारी चीनी मिल के तत्वाधान में गांव चुंडीपुर में किया गन्ना गोष्ठी का आयोजन : प्रबंध निदेशक

करनाल, 11 फरवरी (सुमन लता) : सहकारी चीनी मिल के तत्वाधान में गांव चुंडीपुर में गन्ना फसल गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गन्ना गोष्ठी में चुंडीपुर नलीखुर्द व खैराजपुर के किसानों ने भाग लिया। इस गन्ना फसल विचार गोष्ठी में करनाल मिल की प्रबंध निदेशक अदिति व करनाल मिल के अधिकारी तथा मिल के अन्य गन्ना स्टाफ ने भाग लिया। इस गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिकतम तकनीक एवं गन्ने की नई किस्मों के बारे में जानकारी देना तथा गन्ना पलायन रोकना था। इस गन्ना विचार गोष्ठी में प्रबंध निदेशक ने किसानों से गन्ने की आधुनिक तकनीक से बिजाई से करने पर जोर दिया। गोष्ठी के दौरान उन्होंने किसानों को नई किस्म सीओ-17018, सीओ-16030 तथा अगेती किस्मों में सीओएच-160,सीओएच-188 सीओ-15023 और सीओ-118 की बिजाई करने पर जोर दिया तथा मिल में कार्यरत गन्ना स्टाफ को किसानों को समय से बीज उपलब्ध कराने के दिशा निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त प्रबंध निदेशक ने किसानों की मांग पर लेबर सम्बन्धी समस्या को देखते हुए हार्वेस्टर उपलब्ध कराने की बात कही। प्रबंध निदेशक ने किसानों को बताया कि करनाल चीनी मिल अपनी शत प्रतिशत क्षमता के साथ कार्य कर रही है तथा किसानों का संपूर्ण गन्ना मिल द्वारा पिराई किया जाएगा। जिसके प्रतिउत्तर में किसानों ने प्रबंध निदेशक को आश्वस्त किया कि वह अपने क्षेत्र का सारा गन्ना करनाल सहकारी चीनी मिल को ही उपलब्ध कराएँगे। यहाँ पर यह उल्लेखनीय है कि करनाल सहकारी चीनी मिल की प्रबंध निदेशक अदिति ने बताया कि वर्तमान पिराई सत्र 2025.26 के दौरान शुगर मिल ने 77 दिनों में 24.92 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई कर ली है तथा वर्तमान में मिल की ओनडेट रिकवरी 9.88 प्रतिशत तथा टू डेट रिकवरी 9.31 प्रतिशत है। चीनी मिल 2,22,530 क्विंटल रिफाइंड चीनी का उत्पादन कर लिया गया है तथा मिल ने वर्तमान समय तक चीनी मिल में स्थापित 18 मेगावाट कोजेनरेशन प्लांट से कुल 2.986 करोड़ केडब्ल्यूएच यूनिट का उत्पादन किया तथा जिसमें से 1.927 करोड़ डब्ल्यूएच यूनिट उत्तरी हरियाणा बिजली वितरण निगम को निर्यात करके 12.24 करोड का अतिरिक्त शुद्ध लाभांश प्राप्त किया है। करनाल चीनी मिल ने गन्ना किसानों को दिनांक 31.01.2026 तक की गई गन्ना आपूर्ति का 83,45 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया है।

विकास कौशिक ने नगर परिषद ईओ का पदभार संभाला

कालका, 11 फरवरी (अख्तर फ़ारूक़ी, अजीत सिंह) : विकास कौशिक ने नगर परिषद के नए कार्यकारी अधिकारी (ईओ) के रूप में पदभार संभाल लिया है।

पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने शहर के विकास कार्यों को प्राथमिकता देने का आश्वासन दिया। विकास कौशिक ने कहा कि नगर परिषद में आने वाली विभिन्न कार्य जैसे सफाई व्यवस्था, (सैनिटेशन), अतिक्रमण हटाना, अवैध निर्माण रोकना, सड़कों की मरम्मत तथा गलियों के सुधार जैसे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाना उनकी पहली जिम्मेदारी है। कालका की जनता को विकास कौशिक ने कहा कि वह 9 से 5 बजे तक नहीं, बल्कि 24 घंटे, सातों दिन 365 दिन आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्या को हल करने के लिये हमेशा तैयार हूँ ।

नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को : डा. इरम हसन

करनाल, 11 फरवरी (मीनाक्षी देवी) : जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में 14 मार्च को जिला न्यायालय करनाल, सब डिवीजन इन्द्री, असंध व घरौंडा में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जिला न्यायिक परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा हेल्प डेस्क का स्थापित किया गया है जिसमे पैनल अधिवक्ता मुकेश कुमार व फ्रंट ऑफिस कोर्डिनेटर अमित रॉय द्वारा जन साधारण को 14 मार्च को लगने वाली लोक अदालत व लोक अदालत के लाभों बारे जानकारी दी जाती है।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डा. इरम हसन ने बताया कि लोक अदालत में मुकदमों का निपटारा करने से समय व धन की बचत होती है और भाईचारे की भावना को बल मिलता है। लोक अदालत में निपटारा हुए मुकदमों की अपील भी नही होती और दोनो पक्षों की जीत होती है। उन्होंने जन साधारण से आग्रह किया किया इस लोक अदालत के माध्यम से अपने मुकदमों का निपटारा करवाए और लोक अदालत का लाभ उठाए। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए जिला ए.डी.आर सैंटर, करनाल में स्थापित कानूनी सहायता पर संपर्क किया जा सकता है और मुफ्त कानूनी सलाह व सहायता का लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है।

इसके अलावा हेल्पलाइन नं. 0184.2266138 व 9466289646 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

छीना-झपटी की वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी काबू

आरोपी के कब्जे से 6 हजार रुपये नगद बरामद

करनाल, 11 फरवरी (रविन्द्र मलिक) : थाना शहर करनाल की टीम ने छीना-झपटी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए एक आरोपी को काबू किया है। इस मामले में उप-निरीक्षक दीपक कुमार की अध्यक्षता में गठित पुलिस टीम द्वारा आरोपी सुमित निवासी अशोक नगर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 6 हजार रुपये नगद बरामद किए गए हैं। जांच अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार 3 फरवरी 2026 को दोपहर के समय वह अशोक नगर, करनाल क्षेत्र में गैस सिलेंडर की डिलीवरी काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक पीछे से एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके पैसे छीन लिए गए और आरोपी मौके से फरार हो गया। इस मामले में थाना शहर करनाल में मामला दर्ज किया गया था।

वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को काबू किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

अकाली दल वारिस पंजाब द्वारा हलका घन्नौर में विशेष बैठक, नई कमेटियों का गठन

राजपूरा, 11 फरवरी (राजिंदर सिंह कंबोज)= अकाली दल वारिस पंजाब के हलका घनौर की टीम द्वारा गांव मांगपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना तथा गांव स्तर पर नई इकाइयों का गठन करना था ।बैठक के दौरान मलकीत सिंह मांगपुर, कैप्टन सिंह ढकाणसू माजरा और अमृतपाल सिंह को पांच सदस्यीय कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया। इसके साथ ही दो गांवों की नई इकाइयों की घोषणा भी की गई ।गांव मांगपुर इकाई के लिए निरवैर सिंह नंबरदार, धर्मिंदर सिंह, रविंदर सिंह ज्ञानी, जगीर सिंह, जसवंत सिंह, ध्यान सिंह, अमरदीप सिंह, लवप्रीत सिंह, कुलविंदर सिंह और कृपाल सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई ।इसके अलावा गांव मांगपुर में महिलाओं की अलग कमेटी का गठन किया गया, जिसमें सुरजीत कौर, हरबंस कौर, सरबजीत कौर, सुखविंदर कौर, बलजिंदर कौर और सुरजीत कौर को जिम्मेदारियां दी गईं ।ढकाणसू माजरा इकाई में कैप्टन सिंह, अमरिंदर सिंह, रमन, गुरप्रीत सिंह, सुखविंदर सिंह, हरमन सिंह और मनप्रीत सिंह को टीम कमेटी में शामिल किया गया ।इन सभी कमेटियों का गठन गुरदीप सिंह मरदांपुर की अगुवाई में किया गया। इस अवसर पर अवतार सिंह थूहा, परमजीत सिंह टिवाणा, रूप सिंह खालसा, हरबंस सिंह खालसा, दिलबाग सिंह मरदांपुर, जगतार सिंह मरदांपुर, डॉ. नवदीप सिंह और बलदेव सिंह संधारसी भी मौजूद रहे ।इसके अतिरिक्त बैठक में अंग्रेज सिंह, गुरप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, करनैल सिंह, गुरविंदर सिंह, जगीर सिंह, दिलबाग सिंह, मुख्तियार सिंह और शेर सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे ।बैठक के दौरान नेताओं ने कहा कि पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा और युवाओं को अधिक से अधिक पार्टी से जोड़ा जाएगा।

अमृतपाल सिंह फिर हाई कोर्ट की शरण में

चंडीगढ़ 11 फरवरी (निस) खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह ने एक बार फिर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कोर्ट में एक नई पटीशन फाइल की है जिसमें अपनी अस्थायी रिहाई या पैरोल की मांग की गई है ताकि वे पार्लियामेंट के बजट सेशन में हिस्सा ले सकें। करीब एक हफ्ता पहले भी उनकी ऐसी ही एक पटीशन खारिज कर दी गई थी। हाई कोर्ट से अपील की है कि वह उस पुराने ऑर्डर को रद्द कर दें जिसके तहत उन्हें रिहा करने से मना कर दिया गया था। अमृतपाल सिंह अभी नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। उनकी इस नई कानूनी पहल का मकसद लोकसभा की कार्यवाही में शामिल होना है।

राज्य में करीब 40103 किमी लिंक सड़कों की मरम्मत एवं अपग्रेडेशन जारी-कृषि मंत्री गुरमीत सिंह

साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर, 11 फरवरी (निस)पंजाब के कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि भगवंत सिंह मान सरकार द्वारा पंजाब के लोगों से किए गए वादों के अनुरूप पूरे राज्य में लगभग 40103 किलोमीटर लिंक सड़कों की मरम्मत और अपग्रेडेशन का कार्य तेज़ी से जारी है, ताकि लोगों को बेहतर सड़क सुविधाएं मिल सकें। मोहाली के निकट गांव दुराली में विधायक कुलवंत सिंह मोहाली की उपस्थिति में दुरालीङ्कमनौली और दैड़ीङ्कचाओमाजरा लिंक सड़क का शिलान्यास करते हुए मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि इन 44103 किलोमीटर लिंक सड़कों में से पंजाब मंडी बोर्ड द्वारा 22,074 किलोमीटर सड़कों की मरम्मत और अपग्रेडेशन का कार्य शुरू किया गया है, जिसे जल्द पूरा किया जाएगा जबकि शेष सड़कों का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है ।उन्होंने बताया कि 3.66 किलोमीटर लंबी यह सड़क 188.15 लाख रुपये की लागत से अपग्रेड की जाएगी और सेक्टर-82 पीआर-7 सड़क के साथ एक नए लिंक के रूप में कार्य करेगी। इसके अलावा सड़क की चौड़ाई मौजूदा 10 फुट से बढ़ाकर 18 फुट की जाएगी। उन्होंने कहा कि भगवंत सिंह मान सरकार के गठन से पहले पंजाबियों द्वारा देखे गए सपने अब जन-केन्द्रित नीतियों के माध्यम से साकार हो रहे हैं। हाल ही में शुरू की गई मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत सरकारी और पैनल में शामिल निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की गारंटी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि दो महीनों में 600 यूनिट तक शून्य बिजली बिल योजना ने पंजाब के लोगों को बड़ी राहत दी है और लगभग 86 प्रतिशत उपभोक्ताओं को शून्य बिल मिल रहे हैं। इसी प्रकार करीब 64,000 सरकारी नौकरियां योग्य उम्मीदवारों को मेरिट के आधार पर दी गई हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए सुधारों से महंगी स्कूल फीस, इलाज और लैब टेस्ट के खर्चों से लोगों को राहत मिली है। उन्होंने कहा कि भगवंत सिंह मान सरकार पंजाब और पंजाबियों की भलाई के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

लुधियाना में एक साथ 125 ठिकानों पर छापे, भारी मात्रा में हेरोइन व हथियार बरामद

लुधियाना 11 फरवरी (निस) नशा तस्करों की कमर तोड़ने के लिए लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने %ऑपरेशन प्रहार 2.0% के तहत बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस की इस चौतरफा घेराबंदी ने अपराधियों के नेटवर्क को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। खुद पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा और आईजीपी डॉ. एस. भूपति ने मैदान में उतरकर इस ऑपरेशन की कमान संभाली और सलेम टाबरी जैसे संवेदनशील इलाकों में सर्च ऑपरेशन का नेतृत्व किया ।पुलिस की इस महा-मुहिम में करीब 450 जवानों और अधिकारियों की 20 विशेष स्ट्राइक टीमें बनाई गई थीं। इन टीमों ने शहर के अलग-अलग कोनों और संदिग्ध ठिकानों पर एक साथ 125 जगहों पर छापेमारी की। मात्र 24 घंटे के भीतर पुलिस ने 82 शातिर अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पकड़े गए आरोपियों में खूंखार गैंगस्टर, वांछित अपराधी और 3 भगौड़े शामिल हैं, जो लंबे समय से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहे थे। गिरफ्तारी के साथ-साथ पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए भारी मात्रा में अवैध सामान भी जब्त किया है। तलाशी के दौरान पुलिस को 122 ग्राम हेरोइन, 2 देसी पिस्तौल, 5 ग्राम %आइस% ड्रग, 17 मोबाइल फोन, 7 दोपहिया वाहन और 6 पेटी अवैध शराब बरामद हुई है।

इंस्पेक्टर किरपाल सिंह मोही को सदमा, माता अमरजीत कौर का निधन, संस्कार आज

राजपुरा, 11 फरवरी (राजिंदर सिंह कंबोज) इंस्पेक्टर किरपाल सिंह मोही और स्ढ्ढ प्रेम सिंह मोही की मां श्रीमती अमरजीत कौर (80) का आज निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और इलाके में गहरा दुख है।

श्रीमती अमरजीत कौर एक धार्मिक और मिलनसार महिला थीं, जिन्होंने अपने जीवन में समाज और परिवार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से परिवार को कभी न भरने वाला नुकसान हुआ है।

बेटे इंस्पेक्टर किरपाल सिंह ओर स्ढ्ढ प्रेम सिंह मोही ने बताया है कि श्रीमती अमरजीत कौर का अंतिम संस्कार 12 फरवरी को सुबह 11 बजे पुराना राजपुरा के स्थानीय श्मशान घाट में किया जाएगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में रिश्तेदार, दोस्त और इलाके के लोग मौजूद रहेंगे और उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। इस दुख की घड़ी में इलाके की अलग-अलग सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक हस्तियां इंस्पेक्टर कृपाल सिंह मोही और स्ढ्ढ प्रेम सिंह मोही उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं जता रही हैं और भगवान से प्रार्थना कर रही हैं कि दिवंगत आत्मा को शांति दें और परिवार को यह दुख सहने की ताकत दें।

टीचर्स पर लाठीचार्ज की सुखपाल खैहरा ने की कड़ी निंदा

जालंधर/कपूरथला 11 फरवरी (निस) भुलत्थ विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैहरा ने पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार को घेरते हुए टीचर्स पर पुलिस टॉर्चर की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सरकार द्वारा किए जा रहे %एजुकेशन क्रांति% के दावों को खोखला बताया है और टीचर्स के साथ हो रहे भेदभाव को लेकर आवाज उठाई है ।सुखपाल खैहरा ने कहा कि 8 फरवरी को जब %स्पेशल टीचर्स फ्रंट यूनियन पंजाब 12700% के सदस्यों ने मोहाली में रैली की, तो मोहाली और चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा उन पर लाठीचार्ज किया गया और वॉटर कैनन फेंके गए। टीचर्स का यह विरोध सरकार की असलियत को सामने लाने के लिए किया गया था। खैहरा ने अपने ट्वीट में साफ किया कि सरकार ने 28 जनवरी, 2023 को इन टीचर्स की सैलरी में थोड़ी बढ़ोतरी करके उन्हें रेगुलर करने की बात कही थी, लेकिन असल में, रेगुलर टीचर्स के तौर पर उन पर कोई ष्टस्क्रनियम लागू नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ मुख्यमंत्री भगवंत मान शिक्षा में क्रांति लाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ अपने हक की मांग कर रहे शिक्षकों पर अत्याचार किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गुरदासपुर में नए आदेश लागू, लगाई गई सख्त पाबंदी

गुरदासपुर 11 फरवरी (निस) गुरसिमरन सिंह ढिल्लों, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, गुरदासपुर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के जिला गुरदासपुर में स्थापित सारे परीक्षा केंद्रों के आसपास 100 मीटर के दायर अंदर लोगों के इकट्ठे होने पर 17 फरवरी 2026 से 04 अप्रैल 2026 तक पाबंदी लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। यह ऑर्डर 8वीं, 10वीं और 12वीं (ओपन स्कूल समेत) की सालाना एग्जाम के दौरान लागू होंगे, जो सुबह 11=00 बजे से दोपहर 02=15 बजे तक होंगे। ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को इस पाबंदी से छूट रहेगी। यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए उठाया गया है।

पावर हाऊस में लाश मिलने से फैली दहशत, जांच में जुटी पुलिस

हाजीपुर 11 फरवरी (निस) थाना हाजीपुर के अंतर्गत आते पावर हाउस नंबर दो के गेटों से एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। एस.एच.ओ. हाजीपुर हरप्रेम सिंह ने बताया कि जैसे ही उन्हें मुकेरियां हाइडल के पावर हाउस नंबर दो के गेटों में शव आने की सूचना मिली, तो हाजीपुर पुलिस के एच.सी. सुरिंदर सिंह अपनी पुलिस पार्टी के साथ मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने नहर कर्मचारियों के सहयोग से शव को बाहर निकाला। व्यक्ति की आयु करीब 48-50 वर्ष है और उस ने ग्रे रंग की पैंट, सफेद धारीदार कमीज और धारीदार स्वेटर पहना हुआ है। पुलिस द्वारा शव को गाड़ी में रखकर आस-पास के गांवों में शिनाख्त के लिए ले जाया गया। पहचान न हो पाने के कारण, शव को सरकारी अस्पताल, मुकेरियां के शव गृह में 72 घंटों के लिए पहचान हेतु रखा गया है।

युद्ध नशे विरुद्ध मुहिम को लेकर राणा गुरजीत ने आम आदमी पार्टी पर कसा तंज

जालंधर 11 फरवरी (निस) पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक राणा गुरजीत सिंह ने पंजाब में नशे के इस्तेमाल और नशा तस्करी के बढ़ते मामले को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने राज्यपाल द्वारा नशे के मुद्दे पर उन्हें आमंत्रित किए जाने का स्वागत किया और कहा कि केवल जागरूकता अभियान चलाकर समस्या का समाधान नहीं हो सकता। उनका कहना है कि अब ठोस और जमीन स्तर पर कार्रवाई की जरूरत है। राणा गुरजीत सिंह ने पंजाब सरकार और राज्यपाल से तुरंत कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और यहां बार्डर पार से नशा लगातार तस्करी के जरिए आ रहा है। 50 किलोमीटर के बार्डर क्षेत्र पर केंद्र सरकार का नियंत्रण है, इसलिए इसके लिए केंद्र सरकार भी जिम्मेदार है। उन्होंने बताया कि 2014 से पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए नशे की सप्लाई आम हो गई है। सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अगर ड्रोन लगातार तस्करी कर रहे हैं तो क्या BSF अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा रही है। राणा गुरजीत सिंह ने आम आदमी पार्टी और केंद्र सरकार की नाकामी पर भी सवाल उठाए। राणा गुरजीत सिंह ने नशे के बढ़ने के पीछे बेरोजगारी और किसानी की समस्या को मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब में इंडस्ट्री की कमी है और केंद्र सरकार को बड़े पैकेज के जरिए निवेश बढ़ाना चाहिए ताकि युवाओं को रोजगार मिले और वे नशे की दलदल में फंसने से बच सकें।

बस और कार की टक्कर, वाहन के परखच्चे उड़ गए

लुधियाना 11 फरवरी (निस) देर शाम एक भयानक सड़क हादसे की सूचना मिली है, जिसने आसपास के लोगों के होश उड़ाने का काम किया। यह हादसा लुधियाना-फिरोजपुर रोड पर विशाल मैगामार्ट के सामने हुआ, जहाँ एक कार और पी.आर.टी.सी. बस की भीषण टक्कर के बाद दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसा देख मौके पर मौजूद लोगों की सांसें थम सी गईं और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों की जानकारी के अनुसार, पी.आर.टी.सी. बस और कार के बीच अचानक टक्कर हो गई।

दस्तार सजाकर स्पेन के राजदूत जयंत गुरुद्वारा बंगला साहिब में नतमस्तक हुए, सम्मानित किया

नई दिल्ली, 11 फरवरी (अमृतपाल) भारत में स्पेन के राजदूत श्री जयंत खोबरागड़े ने दस्तार सजाकर सोशल मीडिया हस्ती काम्या जानी के साथ ऐतिहासिक गुरुद्वारा बंगला साहिब में नतमस्तक हुए ।इस अवसर पर कमेटी प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों और मीडिया सलाहकार सरदार सुदीप सिंह की अगुवाई में कमेटी की टीम ने राजदूत और काम्या जानी को सम्मानित किया। इस मौके गुरुद्वारा बंगला साहिब के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी रणजीत सिंह ने राजदूत और काम्या जानी को सिरोपा भेंट किया। राजदूत श्री जयंत खोबरागड़े लंगर हॉल में भी पहुंचे, जहां उन्होंने लंगर परोसने की सेवा की। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए श्री जयंत खोबरागड़े ने दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा गुरुद्वारा बंगला साहिब परिसर में मुफ्त एमआरआई/सीटी स्कैन सेवा सहित चलाए जा रहे विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उन्होंने दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा मानवता की सेवा के कई किस्से सुने थे, लेकिन आज उन्होंने स्वयं देख लिया है कि कमेटी किस प्रकार व्यापक स्तर पर मानवता की सेवा कर रही है, जिसके लिए वह बधाई की पात्र है। इस मौके कमेटी प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका, जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों और मीडिया सलाहकार सरदार सुदीप सिंह ने कहा कि यह बहुत अच्छी बात है कि स्पेन के राजदूत आज स्वयं दस्तार सजाकर गुरुद्वारा बंगला साहिब में नतमस्तक हुए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के प्रोजेक्ट्स में उनकी रुचि यह दर्शाती है कि वे भी मानवता की सेवा में गहरा विश्वास रखते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया हस्ती काम्या जानी का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने इस कार्यक्रम की पहल की और जिसे सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सका। मीडिया सलाहकार सरदार सुदीप सिंह ने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी हमेशा देश-विदेश से आने वाली हस्तियों को गुरु घरों में पहुंचने और नतमस्तक होने के समय पूर्ण सहयोग और सम्मान देती है और आगे भी देती रहेगी।

हर गरीब को लाभ मिल रहा...सीएम सैनी

पृष्ठ एक का शेष ..योजना के तहत 14 लाख 50 हजार परिवारों को 500 रुपये में गैस सिलैण्डर दिया जा रहा है। गरीब के सिर पर अपनी छत हो, यह सपना पूरा करने के लिए 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत 1 लाख 56 हजार मकान दिए गए हैं। साथ ही 'मुख्यमंत्री आवास योजना' के तहत शहरों व गांवों में 27 हजार से अधिक गरीब परिवारों को प्लॉट दिए हैं। 'अम्बेडकर आवास नवीनीकरण योजना' के तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति एवं टपरीवास जाति के लोगों को मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये दिए जा रहे हैं, जिसके तहत अब तक 76 हजार 985 लाभार्थियों को 416 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में उठाए गए अभूतपूर्व कदमों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी गरीब व्यक्ति धन के अभाव में इलाज से वंचित ना रहे इसके लिए 'आयुष्मान भारत-चिरायु योजना' के तहत 5 लाख रुपये तक की मुफ्त इलाज सुविधा दी जा रही है। अब तक लगभग 4 हजार करोड़ रुपये की लागत से 27 लाख लोगों का मुफ्त इलाज करवाया गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने जो संकल्प लिया था, उसे पूरा करते हुए किडनी के रोग से पीड़ित रोगियों के लिए सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में मुफ्त डायलिसिस की सेवाएं शुरू की गई हैं। इसके अलावा थैलेसीमिया व हीमोफीलिया से पीड़ित रोगियों को भी 3 हजार रुपये मासिक वित्तीय सहायता दी जा रही है। प्रदेश में बहन-बेटियों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की शुरूआत की है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये दिये जाते हैं। अब तक चार किस्तों में 9 लाख 22 हजार से अधिक बहन-बेटियों को 634 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल ही उन्होंने योजना की चैथी किस्त के रूप में लाभार्थी बहनों के खातों में 193 करोड़ रुपये की राशि डाली है। इसी प्रकार बुढ़ापा, विधवा, दिव्यांग व अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन भी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा देश में सर्वाधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान करने वाला पहला राज्य हैं ।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सामाजिक उत्थान की दिशा में, 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना' के माध्यम से गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए 71 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाती है।

संसद में हंगामा ...

पृष्ठ एक का शेष ..आपको हमारे साथ बराबरी के स्तर पर बात करनी पड़ेगी। आप हमारे साथ ऐसे नहीं बात करेंगे जैसे कि हम आपके नौकर हैं। हम ट्रंप को कहते कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा बेहद अहम है और चाहे जो कुछ भी हो जाए हम अपनी एनर्जी सिक्योरिटी की हर हाल में रक्षा करेंगे। राहुल ने कहा कि ट्रंप को दूसरी बात हम यह कहते कि ट्रंप महोदय आपका वोटर बेस है, एग्रीकल्चर वोटर बेस है, हम इसे समझते हैं कि आपको अपने किसानों को प्रोटेक्ट करने की जरूरत है, लेकिन हम भी अपने किसानों की रक्षा करेंगे। इंडिया अलायंस कहता कि हम आपके साथ बराबरी के स्तर पर बात करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राहुल गांधी ने कहा कि डाटा भारत की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि हम डिजिटल ट्रेड डील्स पर कंट्रोल छोड़ देते हैं, डेटा लोकलाइज़ेशन के लिए कोई डील नहीं, हमारे लिए फ्री डेटा फ्लो, डिजिटल टैक्स पर लिमिट, सोर्स कोड पर डिस्कस करने की कोई ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में पहली बार हमारे किसान तूफान का सामना कर रहे हैं। मक्का सोयाबीन जैसी फसलों में आपने दरवाजा खोल दिया है। मैकेनाइज्ड अमेरिकन फार्म्स के लिए।

सीएम तीर्थयात्री योजना के तहत विधायक कुलवंत सिंह ने बस को दिखाई हरी झंडी, श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

मोहाली, 11 फरवरी (निस) आज मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत फेज-11 स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा से बस को हरी झंडी देकर रवाना किया गया। इस बस में 40 श्रद्धालुओं का जत्था शामिल था। विधायक कुलवंत सिंह ने बताया कि गुरुओं और पीरों की धरती पंजाब के लोगों को धार्मिक स्थलों के दर्शन करवाने के लिए पंजाब सरकार द्वारा यह विशेष पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत श्रद्धालु श्री दरबार साहिब, दुर्गियाना मंदिर, वाघा बॉर्डर और वाल्मीकि मंदिर आदि के दर्शन कर वापस मोहाली लौटेंगे और फिर यह बस अगले 40 यात्रियों को लेकर दोबारा अमृतसर के लिए रवाना होगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार पूरी तरह से लोगों को समर्पित है और विकास कार्यों को लगातार पूरा किया जा रहा है। यात्रा के दौरान सभी जरूरी प्रबंध सरकार द्वारा किए गए हैं ताकि श्रद्धालु आराम से तीर्थ यात्रा कर सकें।

विधायक कुलवंत सिंह ने आगे कहा कि स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक और अब 10 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा शुरू किया है, क्योंकि तंदुरुस्त लोग ही एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस योजना के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि इसमें 50 वर्ष या उससे अधिक आयु के श्रद्धालु पंजीकरण करवा सकते हैं। एक परिवार से एक सदस्य या पति-पत्नी दोनों यात्रा पर जा सकते हैं, जिनका चयन ड्रा के माध्यम से किया जाएगा। तीन दिन और दो रातों की इस यात्रा में मुफ्त एसी बस, एसी कमरों में रहने की सुविधा, तीन समय का खाना, चाय और स्नैक्स का प्रबंध किया गया है। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए हर बस में एक सहायक और एक मेडिकल टीम भी साथ रहेगी ताकि आपात स्थिति में मदद मिल सके।

शादी समारोह के बाहर हमलावरों का उत्पात

लुधियाना 11 फरवरी (निस) थाना नंबर 7 के तहत आती इंद्रा कॉलोनी उस समय रणक्षेत्र में तब्दील हो गई जब शादी की खुशियों वाले एक घर के बाहर दर्जनों हमलावरों ने जमकर उत्पात मचाया। हमलावर पूरी तैयारी के साथ आए थे, लेकिन घर के सदस्यों को मौजूद न पाकर उन्होंने बेकसूर पड़ोसियों को अपनी दरिंदगी का निशाना बना डाला। इस खूनी झड़प में दो पड़ोसी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें लहूलुहान हालत में सिविल अस्पताल भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार, विवाद की जड़ एक शादी समारोह से जुड़ी है। जिस घर में शादी थी, उनका किसी दूसरे पक्ष के साथ पुराना विवाद चल रहा था। सोमवार रात करीब 11 बजे इसी रंजिश का बदला लेने के लिए 10 से 15 हमलावर तेजधार हथियारों और किरपाणों के साथ कॉलोनी में दाखिल हुए। हमलावरों ने शादी वाले घर के बाहर पहुंचकर ललकारे मारने शुरू कर दिए, लेकिन जब घर के अंदर कोई नहीं मिला, इसी दौरान घर के बाहर बैठे पड़ोसी सुरजीत सिंह और बलजीत सिंह ने इंसानियत के नाते बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने की कोशिश की। लेकिन हमलावरों ने आव देखा न ताव और इन बेकसूर पड़ोसियों पर ही टूट पड़े। पीड़ित सुरजीत सिंह ने बताया कि हमलावरों ने अचानक किरपाणों से वार करना शुरू कर दिया। पास बैठे बलजीत सिंह को भी तेजधार हथियारों से बुरी तरह जख्मी कर दिया।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब , सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड , पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985